दैनिक राष्ट्रीय गरिमा

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता

www.rashtriyagarima.com

राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

■ भोपाल, सोमवार 02 नवम्बर 2026 ■ पृष्ठ : 8, मूल्य ₹ 2 ■ वर्ष : 31, अंक : 137 ■ RNI No.61858/95 ■ Email- rgarima2005@gmail.com



छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नवा रायपुर, छत्तीसगढ़ में छत्तीसगढ़ राज्योत्सव समारोह की रिहर्सल के दौरान भारतीय वायु सेना की सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम के सदस्यों को सम्मानित किया।

सुविचार

सफलता उन्हें मिलती है जो निरंतर प्रयास करते रहते हैं।

उज्जैन में दर्दनाक हादसा,टैंक की सफाई के दौरान गई चार लोगों की जान

मुख्यमंत्री ने जांच के दिये निर्देश,4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता की घोषणा

उज्जैन में चार लोगों की मौत पर मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने जताया दुख



उज्जैन। उज्जैन शहर में शनिवार की रात एक निजी होटल में चैंबर साफ करने उतरे चार लोगों की मौत की घटना पर मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने दुख व्यक्त किया है। उन्होंने राज्य शासन की ओर से मृतकों के परिजन को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि उज्जैन में एक निजी होटल में चैंबर की सफाई के दौरान चार लोगों की मौत का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। उन्होंने दिवंगतों को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और शोकाकुल परिजन को यह गहन दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की बाबा महाकाल से प्रार्थना की। गौरतलब है कि उज्जैन में देवास रोड स्थित श्री गंगा रेस्टोरेंट के फूड वेस्ट टैंक में जाम होने के कारण शनिवार रात करीब 10.30 बजे सफाई का काम किया जा रहा था। इसी दौरान एक कर्मचारी चैंबर के भीतर फंस गया। उसे बचाने के लिए एक-एक कर तीन अन्य लोग भी अंदर उतरे, लेकिन जहरीली गैस और दम घुटने की स्थिति के कारण चारों बाहर नहीं निकल सके। सूचना मिलते ही माधव नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू शुरू किया। चैंबर का गेट नहीं खुलने पर कटर मशीन की मदद से उसे काटा गया। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद चारों कर्मचारियों को बाहर निकाला गया। पुलिसकर्मियों ने उन्हें सीपीआर देकर बचाने का प्रयास किया, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। कलेक्टर रोशन कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने भी घटनास्थल का जायजा लिया।

भोपाल,(एजेंसी)। मध्य प्रदेश के उज्जैन में शहर के सबसे पुराने होटल श्रीगंगा में जहरीली गैस की चपेट में आने से चार कर्मचारियों की मौत हो गई,जबकि एक अन्य की हालत गंभीर है। बचाव कार्य के दौरान 3 पुलिसकर्मी भी गैस की चपेट में आने से बीमार हुए हैं। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार,यह घटना कल शनिवार रात को होटल श्रीगंगा में टैंक की सफाई के दौरान हुई। बताया गया कि चेंबर में उतरे 4 कर्मचारियों की जहरीली गैस की चपेट में आने से मौत हो गई,जबकि 1 कर्मचारी गंभीर रूप से घायल है। मृतकों में 2 होटल के कर्मचारी और 2 प्राइवेट सफाईकर्मी शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही कलेक्टर,एसपी और प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची। रेस्क्यू के दौरान भारी दिक्कत आने पर एडिशनल चैंबर टीन शेड को कटर से काटकर करीब ढाई घंटे तक अभियान चलाया गया,तब जाकर शवों को बाहर निकाला जा सका। उधर,हादसे के बाद गुस्साए परिजनों ने होटल संचालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। साथ ही,उन्होंने पीड़ित परिवारों को 1-1 करोड़ रुपए का मुआवजा और सरकारी नौकरी देने की मांग की। एक स्थानीय युवक आसिफ खान ने बताया,हमें रात को करीब 12 बजे एक कॉल आया था। हमें सूचना दी गई कि उनके मामा टैंक में गिर गए हैं। हमें घटनास्थल पर पहुंचने के बाद पता चला कि मामा की मृत्यु हो गई। वे होटल में रात को ओवरटाइम पर काम करने के लिए गए थे। उनके चार बच्चे हैं। मामा यहां पर पिछले चार साल से किराए पर रह रहे थे। हमारी मांग है कि परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए। एक अन्य युवक ने बताया,होटल में लापरवाही के साथ कर्मचारियों को काम पर लगाया गया था। कर्मचारियों को यह जानकारी नहीं दी गई थी कि चैंबर कितना बड़ा है। सिर्फ कर्मचारियों को कचरा निकालने के लिए बोला गया था।

कंटेनर की टक्कर से पुलिस की गाड़ी खाई में गिरी, इंस्पेक्टर, ड्राइवर की मौत

रत्नागिरि। महाराष्ट्र के रत्नागिरि जिले के लांजा तालुका में मुंबई-गोवा नेशनल हाईवे पर शनिवार देर रात अंजनारी पुल के पास एक भीषण हादसा हो गया। इस हादसे में एक पुलिसकर्मी और ड्राइवर की मौत हो गई,जबकि दो पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। लोहे की छड़ें ले जा रहा एक तेज रफ्तार कंटेनर ट्रक, हथखंबा हाईवे ट्रैफिक पुलिस यूनिट की सरकारी बोलेरो गाड़ी से पीछे से टकरा गया। टक्कर के बाद बोलेरो एक खड़ी ढलान से नीचे अंजनारी नदी की ओर लगभग 80 से 100 फीट नीचे जा गिरी और पलट गई। इस हादसे में असिस्टेंट पुलिस सब-इंस्पेक्टर (एएसआई) संतोष अप्पासाहेब गायकवाड़ (51) और कंटेनर चालक की भी मौत हो गई, जबकि दो पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार,हथखंबा ट्रैफिक पुलिस यूनिट की सरकारी गाड़ी अंजनारी पुल के नीचे नदी में एक वाहन के गिरने की सूचना मिलने के बाद घटनास्थल की ओर जा रही थी। इसी दौरान, लोहे की छड़ें ले जा रहा का एक कंटेनर ट्रक पीछे से पुलिस की गाड़ी से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो एक खड़ी ढलान से नीचे अंजनारी नदी की ओर लगभग 80 से 100 फीट नीचे जा गिरी और पलट गई। कंटेनर ट्रक भी सड़क से उतरकर खाई में पलट गया। इस हादसे में दो पुलिस कांस्टेबलों और एक असिस्टेंट पुलिस सब-इंस्पेक्टर सहित तीन पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए।

सम्पत्ति की पक्की रजिस्ट्री मिलने से भू-धारक की समृद्धि के नए द्वार खुलेंगे : मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव

मध्य प्रदेश में एक नवम्बर तक 12 लाख 87 हजार से अधिक रजिस्ट्री पंजीयन पूरें



भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्लॉट और घर के साथ उसके पक्के राजस्व दस्तावेज होना भी बेहद जरूरी है, क्योंकि ये दस्तावेज ही भू-स्वामी को उसका मालिकाना हक दिलाने के साथ उसे अपनी सम्पत्ति के क्रय-विक्रय का अधिकार भी दिलाते हैं। सरकार ने प्रदेश के ऐसे सभी भू-स्वामियों (जिनके पास उनके प्लॉट या मकान के पट्टे तो उपलब्ध हैं,परंतु पक्की रजिस्ट्री नहीं है),इन सभी को उनकी सम्पत्ति की पक्की रजिस्ट्री कराकर निःशुल्क उपलब्ध कराने की योजना प्रारंभ की है। उन्होंने कहा कि भू-स्वामी का प्लॉट और मकान की पक्की रजिस्ट्री का पैसा सरकार देगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना की अब तक की प्रगति की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों को इस महती योजना को एक बड़े अभियान के रूप में चलाकर जल्द से जल्द प्रदेश के सभी पात्र भू-स्वामियों के पट्टे की निःशुल्क रजिस्ट्री कराने के निर्देश दिए हैं। बैठक में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य काश्यप तथा लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में चल रही मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना के तहत सभी पात्रताधारियों को उनकी जमीन के पट्टे की पक्की रजिस्ट्री कराकर दी जाएगी। पक्की रजिस्ट्री के लिए लगने वाली स्टॉम्प शुल्क की राशि राज्य सरकार अपने खजाने से भरेगी। इससे प्लॉट या मकान भू-स्वामी का होगा, रजिस्ट्री भी भू-स्वामी की ही होगी, परंतु उन्हें इस पक्की रजिस्ट्री का पैसा नहीं देना होगा। यह राशि सरकार खुद वहन करेगी। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि अपने हक की सम्पत्ति की पक्की रजिस्ट्री मिलने से भू-धारक की समृद्धि के नए द्वार खुलेंगे। पक्की रजिस्ट्री से भू-धारक अपनी सम्पत्ति पर ऋण आदि लेने के लिए पात्र हो जाएंगे। यह योजना भू-धारकों को आर्थिक रूप से भी मजबूत बनाएगी। उन्होंने कहा कि पक्की रजिस्ट्री कराकर देने वाला यह अभियान आगे भी लगातार चलेगा। अगले वर्ष हम इस अभियान को युवा वर्ष से भी जोड़ेंगे। सभी मंत्री, सांसद, विधायक धनतेरस के दिन किसी गांव में जाकर वहां की शत प्रतिशत स्वामित्व की रजिस्ट्री अपने सामने पूरी करायेंगे। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना के अमल में और भी तेजी लाएं। इस योजना का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी मंत्री, सांसद और विधायक आगामी 6 नवम्बर को (धनतेरस के दिन) अपने पैतृक ग्राम या अपनी पसंद के किसी भी गांव में जाकर उस गांव की मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना की शत-प्रतिशत की रजिस्ट्री खुद सामने रहकर पूर्ण करायेंगे। सभी जिला कलेक्टर्स इस संबंध में अपने प्रभारी मंत्री एवं स्थानीय मंत्रीगणों सहित क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के साथ आवश्यक सहयोग और समन्वय कर अपने जिले में रजिस्ट्री योजना की शत-प्रतिशत रजिस्ट्री पूर्ण कराना सुनिश्चित करेंगे।

राहुल गांधी लोकतंत्र के नाम पर अराजकता फैलाने की कर रहे साजिश : जेपी नड्डा

दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी दलों के इंडी गठबंधन की महारैली पर साधा निशाना

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी दलों के इंडी गठबंधन की महारैली को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि रामलीला मैदान में आज जो कुछ हो रहा है, वह लोकतंत्र के प्रति सम्मान नहीं बल्कि लोकतंत्र के नाम पर देश को अराजकता में धकेलने की सोची-समझी साजिश है। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को एक्स पर वीडियो जारी कर कहा कि यह उन लोगों का सुनियोजित नाटक है, जिन्हें जनता बार-बार नकार चुकी है। जनता इस सच्चाई को अच्छी तरह समझती है। राहुल गांधी की राजनीति का मॉडल बताते हुए उन्होंने कहा कि इसकी पहली कड़ी, झूठ और अफवाह फैलाना है। दूसरी कड़ी सड़कों पर अराजकता और अव्यवस्था पैदा करना, तीसरी कड़ी देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाना और चौथी कड़ी विदेशी ताकतों के इशारे पर चुनी हुई सरकार को अस्थिर करने का प्रयास करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और इंडी गठबंधन लोकतंत्र की आड़ में ऐसा राजनीतिक माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे देश की शांति, अर्थव्यवस्था और लोकतांत्रिक व्यवस्था प्रभावित हो। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस नवंबर के काले इतिहास को नहीं छिपा सकते और न ही दिल्ली के व्यापारियों के आँसुओं का हिसाब देने से बच सकते हैं। भारत एक सशक्त लोकतंत्र है, जो आपकी 'दंगा आधारित राजनीति' से नहीं बल्कि संविधान और जनता के जनादेश से चलेगा। उन्होंने कहा कि यह रैली कांग्रेस के राजनीतिक पतन के ताबूत में आखिरी कील साबित होगी।

जालंधर में सड़क हादसे में बर्थडे पार्टी से लौट रहे 2 दोस्तों की मौत

जालंधर। जालंधर में देर रात हुए एक भीषण सड़क हादसे में दो परिवारों के चिराग बुझ गए। दोस्त की जन्मदिन पार्टी से लौट रहे दो युवकों की कार पुलिस लाइन के नजदीक फ्लाईओवर पर खड़ी नगर निगम की ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार सवार दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में जान गंवाने वाले युवकों की पहचान स्पीड रिकॉर्ड म्यूजिक कंपनी के मालिक दिनेश के बेटे विदित ओलक और पप्पी स्वीट्स के मालिक के बेटे आरव तलवाड़ के रूप में हुई है। दोनों की उम्र करीब 18 से 19 साल बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, दोनों युवक फॉक्सवैगन कार में सवार होकर दोस्त की बर्थडे पार्टी से वापस घर लौट रहे थे। कार जब बीएमसी चौक की तरफ से बीएसएफ चौक की ओर जा रही थी, तभी फ्लाईओवर पर खड़ी नगर निगम की ट्रैक्टर-ट्रॉली से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के वक्त कार में कुल पांच युवक सवार थे। हादसे की जानकारी रविवार तड़के करीब 3 बजे थाना बारादरी पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और दोनों युवकों के शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस के मुताबिक,हादसे के समय नगर निगम के सफाई कर्मचारी फ्लाईओवर पर सफाई कर रहे थे। कूड़ा एकत्र करने के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली सड़क पर खड़ी की गई थी। इसी दौरान तेज रफ्तार कार उससे टकरा गई।

प्रधानमंत्री मोदी या मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से व्यक्तिगत नफरत नहीं : राहुल गांधी



दिल्ली के रामलीला मैदान की महारैली में राहुल-अखिलेश व ममता सहित विपक्षी नेता पहुंचे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की रैली के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने चुनावों में वोट चोरी का दावा कर कहा कि यह कई सालों से हो रही है। उन्होंने मध्य प्रदेश, हरियाणा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और कर्नाटक के चुनावों के साथ-साथ 2024 के लोकसभा चुनाव में भी वोट चोरी होने का आरोप लगा दिया है। राहुल गांधी ने दावा किया कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) में गड़बड़ी की गई और मतदाता सूची से लोगों के नाम हटाकर व नए नाम जोड़कर भी चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित किया गया। अपने संबोधन में,नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सीधे निशाने पर लिया। उन्होंने शाह के बयान का जिक्र कर कहा कि मोदी कहीं नहीं जा सकते,अगर वह जाना भी चाहें, तब उन्हें जाने नहीं दिया जाएगा। राहुल गांधी ने स्पष्ट रूप से घोषणा की, पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह याद रखिए,आप कहीं नहीं जा सकते हैं। ज्ञानेश कुमार सीईसी पद से हटेगा और मोदी-शाह पर भी कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि वे ज्ञानेश कुमार के बाद सीधे प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार के खिलाफ खड़े होउंगा और कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करुंगा। हालांकि,राहुल गांधी ने स्पष्ट किया कि उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, शाह या मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से व्यक्तिगत नफरत नहीं है। उन्होंने कहा,हम नफरत नहीं, मोहब्बत की दुकान खोलने वाले लोग हैं और अहिंसा में विश्वास रखते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि उनके लिए कोई दुश्मन नहीं है, लेकिन देश के हर नागरिक की आवाज उनके लिए सर्वोपरि है, यहां तक कि उनके धर्म से भी ऊपर नागरिकों की आवाज है। उन्होंने दोहराया कि वे हिंसा नहीं करुंगा, किसी को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे या नफरत नहीं फैलाएंगे, बल्कि मोहब्बत के साथ काम करुंगा। राहुल गांधी ने दृढ़ता से कहा कि वे किसी भी कीमत पर संविधान को बर्बाद नहीं होने देने वाले और ऐसा करने की किसी को अनुमति नहीं देने वाले है। राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर अपने हमले जारी रखकर कहा, मैं देश के हर नागरिक और युवा से कह रहा हूं कि ज्ञानेश कुमार को मुख्य चुनाव आयुक्त के पद से हटाया जाएगा और उन्हें जेल जाना पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि ज्ञानेश के सहयोग के बिना न नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बन पाते और न ही शाह केंद्रीय गृह मंत्री बन पाते।

व्यवसायी ने पत्नी व दो बच्चों की हत्या कर ट्रेन के आगे कूदकर जान दी

रायचूर। कर्नाटक के रायचूर स्थित जलालनगर के रायता कॉलोनी में कारोबार में नुकसान और बढ़ते कर्ज से परेशान एक व्यक्ति ने पत्नी और दो बच्चों की हत्या करने के बाद ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। मृतकों की पहचान विष्णु महेश (45), उनकी पत्नी अरुणा (36) तथा बच्चों श्लोक (10) और खुशी (7) के रूप में हुई है। विष्णु महेश गंज में मुंशी के रूप में काम करते थे। इसके साथ ही वह हैदराबाद में कारोबार भी चलाते थे। कारोबार में नुकसान होने के कारण उन पर कर्ज का बोझ बढ़ गया था। उन्होंने अपनी आर्थिक परेशानियों के बारे में दोस्तों और रिश्तेदारों को बताया था। यहां तक कि उन्होंने दोस्तों से आत्महत्या करने की बात भी कही थी। इस पर दोस्तों ने उन्हें समझाकर ऐसा कदम नहीं उठाने की सलाह दी थी। आशंका जताई जा रही है कि विष्णु ने पत्नी और दोनों बच्चों की गला घोंटकर हत्या की। यह भी संदेह है कि रात में घर लाए गए बिरयानी में कीटनाशक मिलाकर पत्नी और बच्चों को खिलाया गया होगा।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी कभी भी देश के प्रधानमंत्री नहीं बनेंगे : अमित शाह

गृहमंत्री अमित शाह ने चंडीगढ़ से साधा कांग्रेस और विपक्षी दलों पर निशाना

चंडीगढ़,(एजेंसी)। गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि सोनिया का सपना है कि उनका बेटा प्रधानमंत्री बने, लेकिन यह सपना पूरा नहीं हो रहा। अब उन्होंने मॉक पार्लियामेंट करने का नया तरीका तलाशा है। शाह ने कहा कि मैं राहुल से कहना चाहता हूं कि अगर आपको प्रधानमंत्री बनना है, तो पूरा जीवन मॉक पार्लियामेंट में ही बने रहिए। आपका नंबर कभी नहीं लगने वाला। तीन चुनावों से ये हार रहे हैं। अमित शाह रविवार को चंडीगढ़ के सेक्टर-17 स्थित तिरंगा पार्क में 250 करोड़ के 9 प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि झूठ बोलना,अराजकता फैलाना,संसद नहीं चलने देना और संसद के मुद्दों को सड़क पर लाकर हंगामा करना,अगर आपकी यही कार्यशैली रही तो आने वाले पांच साल भी विपक्ष में बैठने के लिए तैयार हो जाइए। गृह मंत्री ने कहा कि अगर कांग्रेस पार्टी



नरसंहार के काले दिन पर बड़ा जलसा करने की इच्छा रखती है, तो राहुल आपकी मोहब्बत की दुकान से नफरत के अलावा कोई कुछ लेकर नहीं जाएगा। लोग केवल नफरत लेकर जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद कार्यक्रम आयोजित करने की जिद की गई और विदेश से आदेश दिया गया कि उसी दिन कार्यक्रम होगा, जिस दिन हजारों सिखों को जिंदा जलाया गया था। मैं गुरुओं की इस पवित्र धरती से इस प्रयास की निंदा करता हूं। इसे भारत और पंजाब कभी नहीं भूल पाएंगे। गृह मंत्री ने कहा कि हमने सोचा था कि उस समय राहुल गांधी की उम्र कम रही होगी और शायद उन्होंने इतिहास नहीं पढ़ा होगा। इसलिए उन्हें इस घटना की जानकारी नहीं होगी। हमारी पार्टी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपील की थी कि 1, 2 या 3 नवंबर को कार्यक्रम न रखा जाए, क्योंकि ये 1984 के सिख विरोधी दंगों के दिन हैं। इससे सिख परिवारों की माताओं, बहनों और बच्चों की भावनाएं आहत होंगी। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि मुझे विश्वास है कि पंजाब के नजदीक होने के बावजूद चंडीगढ़ देश का सबसे पहले नशामुक्त होने वाला शहर बनेगा। एनडीपीएस के मामलों में नए कानून आने के बाद चंडीगढ़ पुलिस ने 93 प्रतिशत आरोपियों को जेल भेजा है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि पंजाब में विधानसभा चुनाव आने वाले हैं। वहां एनडीए की सरकार बनानी है। ऐसी आवाज नहीं चलेगी। इसके बाद उन्होंने लोगों से दोनों हाथ उठाकर नारे लगाने की अपील की। गृहमंत्री ने कहा कि पंजाब में एनडीए सरकार की जीत का बीज बोकर जा रहे हैं। चंडीगढ़ के प्रशासक एवं पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि आज का दिन बेहद महत्वपूर्ण और गौरवशाली है।

अब चक्रवाती 'मुरासु' हुआ सक्रिय,आंध्र तट से टकराने की आशंका

नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में बना गहरा दबाव का क्षेत्र चक्रवाती तूफान 'मुरासु' में तब्दील हो गया है। आज सुबह 11.0 बजे यह तूफान दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर केंद्रित था। इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने और 2 नवंबर की सुबह तक भीषण चक्रवाती तूफान में बदलने की आशंका है। मौसम विभाग के मुताबिक तूफान आगे उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ते हुए दक्षिण आंध्र प्रदेश के तट से टकरा सकता है। इसके 2 नवंबर की आधी रात 11.30 बजे से 3 नवंबर की सुबह 4 बजे के बीच नेल्लोर और नरसापुर के बीच तट पार करने की संभावना है। इस दौरान हवा की रफ्तार 100 से 110 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है, जबकि झोंकों की गति 120 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक चक्रवाती तूफान के प्रभाव से दक्षिण भारत के कई राज्यों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने 1 और 2 नवंबर को तमिलनाडु, जबकि 2 और 3 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश, रायलसीमा और तेलंगाना में भारी से बहुत भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया है। विभाग ने 3 और 4 नवंबर को छत्तीसगढ़ और दक्षिण ओडिशा में भी भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना जताई है। तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 2 और 3 नवंबर को कुछ स्थानों पर अत्यंत भारी बारिश की आशंका है।

हरियाणा की धरती से गीता का संदेश समस्त विश्व में फैला था : राष्ट्रपति मुर्मू

चंडीगढ़,(एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रविवार को कुरुक्षेत्र में हरियाणा राज्य के गठन के 60 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित हीरक जयंती समारोह में हिस्सा लिया। इस अवसर पर उन्होंने हीरक जयंती के लोगो का भी अनावरण किया। समारोह में हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी उपस्थित रहे। राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय संस्कृति के विकास में हरियाणा के इस क्षेत्र का उल्लेखनीय योगदान रहा है। गीता का अमर संदेश इसी धरती से समस्त विश्व में फैला था। भारतीयता को गौरव प्रदान करने वाली इस पुण्य भूमि को राष्ट्रपति ने प्रणाम किया। उन्होंने भारत की प्रगति-यात्रा के अनेक आयामों में सार्थक योगदान देने वाले हरियाणावासियों को भी बधाई दी। राष्ट्रपति ने कहा कि भगवान कृष्ण के निष्काम



कर्मयोग का अमर संदेश सारे विश्व में फैलाने वाली इस धरती ने आधुनिक युग में भी मानवीय पराक्रम के अनेक कीर्तिमान स्थापित किये हैं। राव तुलाराम का अदम्य साहस, दीनबंधु सर छोटूराम की किसान कल्याण के लिए प्रतिबद्धता,पंडित नेकीराम शर्मा की राष्ट्रसेवा और दादा लखमीचंद की लोक-सांस्कृतिक साधना हरियाणा की अमूल्य विरासत हैं। उन्होंने कहा कि बीसवीं सदी में हरियाणा के प्रथम शहीदों में गिने जाने वाले अंबाला के कांशीराम जी सैन फ्रांसिस्को में लाला हरदयाल के साथ मिलकर गदर पार्टी स्थापित करने वालों में से एक थे। भारत लौटने के लगभग एक वर्ष बाद ब्रिटिश सरकार ने 1915 के इसी नवंबर माह में उनको फाँसी दे दी थी। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में शहरों के साथ ही यहाँ के ग्रामीण क्षेत्रों ने भी बढ़-चढ़ कर सहभागिता की थी। कम उम्र की बेटियाँ भी इन आंदोलनों में खुलकर सामने आती थीं। इसी संदर्भ में एक तथ्य का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि रेवाड़ी की एक 12 वर्ष की बेटी की 1930 के सविनय अवज्ञा आंदोलन में निर्भीक सहभागिता की बात रिकॉर्डों में है। नमक कानून तोड़ने के लिए इस बेटी ने अपने बचपन की पूरी बचत लगाकर नमक खरीदा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि हरियाणा की इसी धरती पर जन्मी सुचेता कृपलानी ने भारत की प्रथम महिला मुख्यमंत्री बनकर नया इतिहास रचा। नवगठित हरियाणा राज्य की प्रथम विधानसभा अध्यक्ष के रूप में शन्नो देवी ने लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं की अग्रणी भूमिका का उदाहरण प्रस्तुत किया।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, सोमवार 02 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

मध्यप्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और गौरवशाली इतिहास इसकी पहचान : केंद्रीय राज्य मंत्री श्री डीडी उइके



किसान कल्याण स्वाभिमान पर्व के तहत आयोजित कृषि क्विज के विजेताओं की घोषणा

हरदा। मध्य प्रदेश का 71वां स्थापना दिवस हरदा जिले में समारोह पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर पॉलिटेक्निक कॉलेज के सभाकक्ष में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री श्री दुर्गादास उइके ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर व दीप प्रज्जवलित कर किया। इस दौरान सरस्वती शिशु मंदिर, हरदा की छात्राओं द्वारा राष्ट्रगीत एवं उत्कृष्ट विद्यालय की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना, मध्य प्रदेश गान व राष्ट्रगान का गायन किया गया।

केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री श्री उइके ने कहा कि मध्यप्रदेश समृद्ध संस्कृति, सांस्कृतिक विरासत, आध्यात्मिक परंपराओं और गौरवशाली इतिहास का प्रदेश है। भौगोलिक दृष्टि से यह भारत का हृदय प्रदेश है। यहां नर्मदा नदी, महाकाल, चित्रकूट, भीमबेटका, सांची एवं खजुराहो जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक, ऐतिहासिक और पर्यटन स्थल स्थित हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में क्रांतिकारी वीरों की गौरवशाली इतिहास रहा है। जनजातीय संस्कृति और प्राकृतिक विविधता इस प्रदेश की विशिष्ट पहचान है। यहां के प्रत्येक त्योहार और पर्व अपनी एक अलग कहानी कहते हैं।

केंद्रीय राज्य मंत्री श्री उइके ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज हमारा प्रदेश ब?ा गौरवशाली है क्योंकि आज हम 71 वां मध्यप्रदेश स्थापना दिवस बना रहे हैं। उन्होंने सभी को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि 1 नवंबर 1956 को आज ही के दिन मध्यप्रदेश का गठन हुआ था। आज हम सबको संकल्प लेना होगा जिससे हमारा प्रदेश विकसित बने व समृद्ध बनें। हमारे देश के विकास में हर व्यक्ति का योगदान जरूरी है इसलिए आप सभी देश को विकसित राष्ट्र बनाने में सहयोग करें।

इस कार्यक्रम में पूर्व कृषि मंत्री श्री कमल पटेल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री दर्शन सिंह गहलोत, जिला पंचायत सदस्य श्री कमलेश सेजकर, जिला अध्यक्ष श्री राजेश वर्मा, पूर्व विधायक टिमरनी श्री मनोहरलाल राठौर कलेक्टर श्री कुमार सत्यम, अपर कलेक्टर श्री पुरूषोत्तम कुमार एवं श्रीमती अनुपमा , मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री नरोत्तम भार्गव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमित मिश्रा, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रवीण इवने सहित विभिन्न अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

कार्यक्रम में लोकतंत्र सेनानी श्री मरगूब हुसैन बन्दूक वाले का भी अतिथियों द्वारा सम्मान किया गया।

शिवना की सफाई के साथ आस्था का भी रखा ध्यान, 1 ट्रॉली कचरा निकाला



मंदसौर। शिवना नदी को स्वच्छ, निर्मल और प्रदूषणमुक्त बनाने के उद्देश्य से विधायक विपिन जैन के नेतृत्व में संचालित शिवना शुद्धिकरण अभियान के 149वें दिन रविवार को श्रमदानियों ने नदी और घाटों की सफाई की। अभियान के दौरान नदी किनारे फैले कचरे के साथ नदी के भीतर जमा प्लास्टिक को भी बाहर निकाला गया। श्रमदानियों ने करीब एक ट्रॉली कचरा एकत्रित कर हटाया। इसके बाद नदी के घाटों की सफाई कर उन्हें पानी से धोया गया, ताकि श्रद्धालुओं को स्वच्छ वातावरण मिल सके। अभियान के दौरान नदी किनारे लंबे समय से रखा पूजन सामग्री संग्रहण कलश भी खाली किया गया और उसकी सफाई की गई। अभियान के मीडिया प्रभारी राजनारायण लाड़ ने आमजन से अपील की कि पूजन सामग्री को नदी में प्रवाहित करने के बजाय निर्धारित संग्रहण कलश में ही डालें। उन्होंने कहा कि इससे धार्मिक आस्था का सम्मान भी बना रहेगा और पूजन सामग्री के कारण शिवना नदी में होने वाला प्रदूषण भी रोका जा सकेगा। रविवार को हुए श्रमदान में समाजसेवियों में रमेश सोनी, हेमराज खाबिया, राकेश जैन पिंटू, पंकज जैन और महिलाओं में कौशल्या त्रिवेदी ने सहभागिता की। वहीं कांग्रेसजनों में राजनारायण लाड़, मनोहर नाहटा, गणपत कुमावत, अजय सोनी, जयेश पालीवाल, राकेश सेन, मंगल गवली और ऋषिराज लाड़ सहित अन्य लोगों ने श्रमदान कर अभियान में सहयोग दिया।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर 'एकता दौड़' आयोजित हुई

सीहोर। सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस पर राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर शासकीय आवासीय खेलकूद संस्थान में 'एकता दौड़ (रन फॉर यूनिटी)' का आयोजन किया गया। एकता दौड़ में कलेक्टर श्री बालागुरू के., पुलिस अधीक्षक श्रीमती सोनाक्षी सक्सेना, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत चौबे एवं एसडीएम श्री तन्मय वर्मा, विद्यार्थियों और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर सभी ने राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं सुरक्षा बनाए रखने की शपथ भी ली। एकता दौड़ के माध्यम से देश की एकता, अखंडता और आपसी सौहार्द का संदेश दिया गया। अधिकारियों एवं प्रतिभागियों ने दौड़ में शामिल होकर राष्ट्र की एकता और सामूहिक शक्ति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों में राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करना और देश की एकता एवं अखंडता के लिए समर्पित रहने की प्रेरणा देना रहा। इस अवसर पर सभी ने संकल्प लिया कि वे देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने के लिए सदैव समर्पित रहेंगे तथा समाज में आपसी भाईचारे और सद्भाव को बढ़ावा देंगे। अधिकारियों ने संदेश दिया कि एकता ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है और एकजुट भारत ही सशक्त एवं समृद्ध भारत का आधार है।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर जिलेभर में आयोजित हुए शपथ कार्यक्रम

सीहोर। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर जिलेभर में राष्ट्रीय एकता की शपथ के कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर जिले के विभिन्न शासकीय कार्यालयों, स्कूलों, महाविद्यालयों एवं जिला चिकित्सालय में अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और स्वास्थ्यकर्मियों ने राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने की शपथ ली। कार्यक्रमों में सभी ने देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने तथा सरदार वल्लभभाई पटेल के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान राष्ट्र की एकता, आपसी सद्भाव, भाईचारे और देश की सुरक्षा के प्रति समर्पण भाव से कार्य करने का संदेश दिया गया।

मधुमेह की सही समय पर पहचान एवं उपचार संभव

सीहोर। मधुमेह एक ऐसी बीमार है जिसके लक्षण सामान्य होते हैं पर यह धीरे-धीरे शरीर को कमजोर कर देता है। यह बीमारी सीडेंटरी लाइफ स्टाइल, अनहेल्दी फूड खाने एवं आनुवांशिक भी होती है। धीरे-धीरे मधुमेह के मरीजों की संख्या बती जा रही है। इसे जन जागरूकता के माध्यम से नियंत्रित किया जा सकता है। मधुमेह की सही समय पर पहचान उसके उपचार एवं जन जागरूकता के मध्यम से मधुमेह रोगियो की स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से रोगियों का उपचार किया जा सकता हे। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि मधुमेह के उपचार के लिए असंचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत मरीजों को निःशुल्क उपचार की सुविधा प्रदान की जाती है। बार-बार पेशाब आना, वजन का घटना या भूखा कम लगना, बहुत ज्यादा प्यास लगना, कमजोरी अथवा थकान होना इत्यादि मधुमेह के मुख्य लक्षण है। मधुमेह की रोकथाम के लिए शरीर के वजन को सामान्य बनाए रखना, पौष्टिक आहार का सेवन, नियमित व्यायाम, चलना अथवा दौड़ना जैसी गतिविधियां करना, नशीले पदार्थों तंबाकू एवं शराब का सेवन नहीं करना महत्वपूर्ण है। मधुमेह के जांच एवं उपचार की निःशुल्क सुविधा सभी हेल्थ एंड वैलनेस केंद्रों पर भी उपलब्ध कराई गई है। जिससे की मरीजों को नियमित रूप से दवाओं की प्राप्ति एवं फॉलो किया जा सके एवं उन्हें दूर के चिकित्सालय तक इलाज के लिए नहीं जाना पड़े।मधुमेह के साथ सामान्य जीवन बताया जा सकता है। मधुमेह की नियमित रूप से जांच कराये जाना बेहद आवश्यक है जिससे कि मधुमेह की पड़ताल एवं उसकी प्रारंभिक अवस्था में उपचार हो सके।

मंदसौर में 70 वीं राज्य स्तरीय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

मंदसौर। 70 वीं स्कूल शिक्षा विभाग राज्य स्तरीय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता 11/14/17/ 19 वर्ष बालक एवं बालिका की प्रतियोगिता क्वाड्स / इन लाईन / रोड रेस के भव्य आयोजन का शुभारंभ रविवार को लोट्स वैली स्कूल के खेल मैदान में हर्षोउल्लास व उमंग के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ शारदा के समक्ष दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश भाजपा प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक यशपाल सिंह जी सिसोदिया उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा डॉ. विजय पाटीदार, नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर, उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला, सह संयोजक खेल प्रकोष्ठ भाजपा



मध्यप्रदेश शांतिलाल मालवीय, जिला महामंत्री भाजपा शिवराज सिंह घटावदा,जिला रोलर स्केटिंग एसोसिएशन अध्यक्ष कपिल भंडारी, लोक शिक्षण भोपाल के ऑब्जर्वर भरत सिंह कुमावत, जिला शिक्षा अधिकारी पंकज जाट, समाजसेवी जगदीश चौधरी, लोटस वैली स्कूल के प्राचार्य विकास आचार्य,संचालक इशिका आचार्य,प्राचार्य एवं संयोजक डॉक्टर विजयसिंह पुरावत मंचासीन रहे। सभी अतिथियों का प्रतीक चिन्ह भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया गया। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता यशपाल सिंह सिसोदिया ने अपने उद्बोधन में सभी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं प्रदान की। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा डॉ विजय पाटीदार द्वारा अपने उद्बोधन में सभी छात्र-छात्राओं को खेलों का महत्व बताते हुए शुभकामनाएं दी। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर, नपा उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला एवं अतिथियों ने भी अपने प्रेरित उद्बोधन प्रदान किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में महारानी लक्ष्मीबाई विद्यालय की छात्राओं द्वारा जगन्नाथ जगन्नाथ गीत पर मनमोहक प्रस्तुति दी गई। मध्य प्रदेश के 10 संभागों से आई हुई टीमों के कप्तानों का पुष्पहार पहनाकर अतिथियों द्वारा स्वागत किया गया। सभी खिलाड़ियों को सच्ची भावना के साथ खेल शपथ नेशनल खिलाड़ी कृति सेठिया द्वारा दिलाई गई। कार्यक्रम में मार्च पास्ट लोटस वैली स्कूल मंदसौर के तत्वाधान में अतिथियों का आगमन हुआ। म. प्र. ध्वज का आरोहण अतिथियों द्वारा किया गया। स्वागत उदबोधन एवं प्रतिवेदन जिला शिक्षा अधिकारी पंकज जाट ने प्रस्तुत किया। 70 वीं राज्य स्तरीय शालेय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता का आयोजन 1से 5 नवंबर 2026 तक लोटस वैली स्कूल रेवास देवडा रोड, मंदसौर पर आयोजित होगी।

गौरवशाली इतिहास और विकास की नई पहचान बना रहा मध्य प्रदेश



स्थापना दिवस पर मेधावी विद्यार्थियों व किसानों को मिले पुरस्कार

मंदसौर। मध्य प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को मंदसौर में जिला स्तरीय समारोह का आयोजन स्थानीय उत्कृष्ट विद्यालय परिसर स्थित सभागार में किया गया। समारोह में प्रदेश के गौरवशाली इतिहास, सांस्कृतिक विरासत और विकास की उपलब्धियों को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुवासरा विधायक हरदीप सिंह डंग ने कहा कि हम सौभाग्यशाली हैं कि हमारा जन्म मध्य प्रदेश की धरती पर हुआ। यह देवों, संतों, महापुरुषों और वीर बलिदानियों की भूमि है। समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर लाभान्वित किया गया। विधायक डंग ने अपने संबोधन में कहा कि मध्य प्रदेश का अतीत गौरवशाली रहा है। यहां सम्राट विक्रमादित्य जैसे न्यायप्रिय शासक हुए, राजा भोज ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई और चंद्रशेखर आजाद जैसे महान क्रांतिकारी ने इस धरती पर जन्म लेकर देश के लिए बलिदान दिया। नर्मदा मैया और भगवान महाकाल की उपस्थिति इस प्रदेश की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक पहचान को और समृद्ध बनाती है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश को और अधिक समृद्ध बनाने के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। पर्यावरण संरक्षण, औद्योगिक विकास, उन्नत खेती और नागरिकों की खुशहाली को प्राथमिकता देते हुए ऐसा प्रयास होना चाहिए कि किसी किसान या गरीब को अपने काम के लिए भटकना न पड़े। ईमानदारी और सेवाभाव से प्रदेश को आगे बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी है। जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा विजय पाटीदार ने कहा कि यह हम सभी का सौभाग्य है कि हमने मध्य प्रदेश की धरती पर जन्म लिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश अधोसंरचना, उद्योग, निवेश, महिला सशक्तिकरण और कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से प्रगति कर रहा है। उन्होंने प्रदेश के गौरवशाली इतिहास, पर्यटन स्थलों, प्राकृतिक संपदा और भौगोलिक विशेषताओं का उल्लेख करते हुए मंदसौर जिले के प्राचीन इतिहास, शासकों और राजवंशों के योगदान की जानकारी दी। साथ ही सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान को भी याद किया। नगर पालिका अध्यक्ष रमा देवी गुर्जर ने कहा कि शासन की विकासोन्मुखी योजनाओं और प्रयासों के कारण मध्य प्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में अपनी पहचान बना रहा है। पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया ने कहा कि मध्य प्रदेश प्राकृतिक सुंदरता, धार्मिक आस्था और ऐतिहासिक पर्यटन स्थलों से समृद्ध प्रदेश है। प्रदेश सरकार द्वारा मध्य प्रदेश गान के माध्यम से भी इसकी विशेषताओं को सामने लाया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास में मंदसौर जिले की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। जिले में टू लेन, फोरलेन और आठ लेन सड़कों का विस्तार हुआ है। मेडिकल कॉलेज की सुविधा उपलब्ध हुई है तथा औद्योगिक विकास के साथ कृषि क्षेत्र भी निरंतर समृद्ध हो रहा है। विद्यार्थियों और किसानों को मिले पुरस्कार स्थापना दिवस समारोह में शासन की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत चयनित प्रतिभाओं और हितग्राहियों को सम्मानित किया गया। संस्कृति विभाग के स्वराज संस्थान संचालनालय के अंतर्गत स्थापित श्रीकृष्ण पाथेय न्यास द्वारा संचालित भगवान श्रीकृष्ण मेधावी छात्रवृत्ति योजना में जिले से चयनित काव्य शर्मा को एक लाख रुपये का पुरस्कार चेक और प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

पटाखों जैसी आवाज निकालने वाली बुलेट पर यातायात पुलिस का शिकंजा

मंदसौर। शहर में पटाखों जैसी तेज और धमाकेदार आवाज निकालकर ध्वनि प्रदूषण फैलाने तथा आमजन के बीच परेशानी और दहशत का माहौल पैदा करने वाली बुलेट मोटरसाइकिल के खिलाफ यातायात पुलिस ने कार्रवाई की है। यातायात पुलिस ने मोटरसाइकिल क्रमांक MP09VR7079 को पकड़ा। जांच में सामने आया कि वाहन चालक ने मोटरसाइकिल के मूल साइलेंसर में अवैध बदलाव (मॉडिफिकेशन) करवा रखा था, जिससे वाहन चलने पर पटाखे जैसी तेज आवाज निकलती थी। इस तरह के मॉडिफाइड साइलेंसर से शहर की शांति भंग होने के साथ ध्वनि प्रदूषण भी बढ़ता है। यातायात पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उक्त बुलेट मोटरसाइकिल को जब्त कर विभिन्न धाराओं के तहत 4300 रुपये का चालान बनाया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने और वाहनों में अवैध बदलाव कर तेज आवाज निकालने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों के लिए प्रदेश में 16 नवीन छात्रावास स्वीकृत

सीहोर। प्रदेश में अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और गुणवत्तापूर्ण आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य शासन ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। प्रदेश के 14 जिलों में लगभग 68 करोड़ 80 लाख रुपये की लागत से 50 सीटर क्षमता वाले 16 नवीन छात्रावास भवनों के निर्माण को स्वीकृति प्रदान की गई है। प्रत्येक छात्रावास भवन का निर्माण लगभग 4 करोड़ 29 लाख 99 हज़ार रुपये की लागत से किया जाएगा और इसे आगामी 24 माह की समय-सीमा में पूर्ण किया जाएगा। प्रत्येक छात्रावास भवन का निर्माण मानक अनुसार 1401.20 वर्ग मीटर के बिल्ट-अप एरिया में किया जाएगा। विद्यार्थियों के सुगम आवास और नियमित अध्ययन के लिए मुख्य भवन में 25 आवासीय कक्ष, डाइनिंग हॉल, किचन, स्टोर रूम, आधुनिक लाइब्रेरी, कंप्यूटर कक्ष और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग कक्ष का निर्माण किया जाएगा।साथ ही परिसर में छात्रावास अधीक्षक के लिए आवासीय गृह, चौकीदार कक्ष और 3 यूनिट सुव्यवस्थित शौचालय एवं स्नानागार का निर्माण होगा। स्मार्ट शिक्षा, सुरक्षा और पर्यावरण-अनुकूल संसाधन युक्त होंगे छात्रावास छात्रावासों को आधुनिक तकनीक और उच्च स्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा। विद्यार्थियों की डिजिटल शिक्षा के लिए इंटरएक्टिव पैनल और सुरक्षा के लिए परिसर में सीसीटीवी कैमरे, पक्की बाउंड्री वॉल और एप्रोच रोड का प्रावधान किया गया है।

छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ
छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ



क्लासीफाईड विज्ञापन दरें
150/- रूपये प्रतिदिन 25 शब्दों तक
स्कीम
2 दिन के विज्ञापन पर 2 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
5 दिन के विज्ञापन पर 10 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
10 दिन के प्रकाशन पर 20 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
राष्ट्रीय गरिमा समाचार पत्र में विज्ञापन देकर अपने व्यापार को दें नई उड़ान
सम्पर्क करें : 8602000710, 8602000703
मात्र 1500/- रूपये में पूरे एक माह चलायें

कोतवाली पुलिस ने 21 लाख के मादक पदार्थ पकड़े, दो आरोपी गिरफ्तार

मंदसौर। नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए शहर कोतवाली पुलिस ने 21 लाख रुपये कीमत के मादक पदार्थ जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक किलो अल्प्राजोलम और 500 ग्राम अफीम बरामद की है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि मुख्य आरोपी मादक पदार्थ की खेप शाहरुख नामक व्यक्ति से लेकर आया था। इसके बाद पुलिस ने उसे भी हिरासत में लेकर पूछताछ की और गिरफ्तार करने की प्रक्रिया पूरी की। पुलिस के अनुसार 31 अक्टूबर और 1 नवंबर की मध्यरात्रि मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति अल्प्राजोलम और अफीम की



तस्करी के लिए आने वाला है। सूचना के आधार पर कोतवाली पुलिस ने कोर्ट रोड स्थित शिवना नदी के पास घेराबंदी की। इस दौरान मुखबिर के बताए हुलिए का एक व्यक्ति आता दिखाई दिया, जिसे रोककर पूछताछ की गई। उसने अपनी पहचान समीर शेख (28) पिता रईस शेख निवासी गोपालपुरा, थाना नारायणगढ़, मंदसौर के रूप में बताई। पुलिस ने नियमानुसार तलाशी ली तो उसके पास से एक किलो अल्प्राजोलम बरामद हुई, जिसकी कीमत करीब 20 लाख रुपये बताई गई है। इसके अलावा 500 ग्राम अफीम भी मिली, जिसकी कीमत एक लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने कुल 21 लाख रुपये का मादक पदार्थ जब्त कर आरोपी के खिलाफ कोतवाली थाने में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/18, 22 और 29 के तहत प्रकरण दर्ज किया। पूछताछ में समीर ने मादक पदार्थ शाहरुख पिता अब्दुल रहीम (27) निवासी नूरी कॉलोनी, मनासा, जिला नीमच से लाना बताया। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने शाहरुख को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की और उसे गिरफ्तार किया। मामले में मादक पदार्थ की तस्करी से जुड़े अन्य पहलुओं को लेकर अनुसंधान जारी है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टी.एस. बघेल और नगर पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र सिंह भास्कर के निर्देशन तथा कोतवाली थाना प्रभारी पुष्पेंद्र सिंह राठौर के नेतृत्व में की गई। कार्रवाई में थाना कोतवाली पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी उपेन्द्र तिवारी द्वारा प्रदेशवॉच मीडिया ग्रुप 11 प्रेस कम्प्लेक्स जोन 1 एमपी नगर भोपाल से मुद्रित एवं बी-14 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक : अभिमन्यु तिवारी,सहायक सम्पादक : शैलेन्द्र तिवारी।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा। (समाचार प्रकाशन के लिये पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार*) आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक 61858/95, मो. 8602000710 , 8602000701

दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
शुभ प्रभात
www.rashtriyagarima.com
भोपाल, सोमवार 02 नवम्बर 2026

मतदाता सूची में अनधिकृत परिवर्तन के आरोपों में अधिकारी निलंबित

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश के पीलीभीत विधानसभा क्षेत्र में दो मतदाता पंजीकरण अधिकारियों मयंक गोस्वामी और हेमंत चौधरी को मतदाता रिकॉर्ड में अनधिकृत परिवर्तन के आरोपों के बाद तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। अधिकारियों सहित कंप्यूटर ऑपरेटर अनिल कुमार के खिलाफ मौजूदा एफआईआर में भारतीय न्याय संहिता की धारा 198 भी जोड़ दी गई है।

वाराणसी-नई दिल्ली के बीच वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस परिचालन आज से

नई दिल्ली। रेल यात्रियों की सुविधा और बेहतर रेल संपर्क उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रेलवे ने वाराणसी और नई दिल्ली के बीच नई वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस के नियमित परिचालन का निर्णय लिया है। ट्रेन संख्या 27421/27422 वाराणसी-नई दिल्ली-वाराणसी वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस का नियमित परिचालन 2 नवंबर से शुरू होगा। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि ट्रेन संख्या 27421 वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस वाराणसी से शुक्रवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन चलेगी।

अवैध घुसपैठ रोकना गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी,नाकाम रहने पर गृह मंत्री जवाबदेह : मदनी

समान नागरिक संहिता और मुसलमानों को निशाना बनाने के प्रयासों के खिलाफ प्रस्ताव पारित



नई दिल्ली। जमीअत उलमा-ए-हिंद की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में अवैध घुसपैठ, मुसलमानों के संवैधानिक अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता और समान नागरिक संहिता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने अवैध घुसपैठ के मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्र सरकार की जवाबदेही पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भारत में किसी भी विदेशी नागरिक की अवैध मौजूदगी का जमीअत समर्थन नहीं करती, लेकिन घुसपैठ रोकने की जिम्मेदारी गृह मंत्रालय की है। हरियाणा के नूंह (मेवात) में 30 और 31 अक्टूबर को हुई इस बैठक में देशभर से 3,000 से अधिक उलमा ने हिस्सा लिया। बैठक को संबोधित करते हुए मौलाना मदनी ने कहा कि यदि गृह मंत्री अवैध घुसपैठ होने देते हैं या जानबूझकर इसे रोकने में नाकाम रहते हैं, तो वे सबसे बड़े गद्दार हैं। उन्होंने सवाल किया कि अवैध घुसपैठ रोकने की जिम्मेदारी निभाने वाले मंत्रालय से जवाब मांगने के बजाय मुसलमानों को राजनीतिक रूप से निशाना क्यों बनाया जा रहा है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने मुसलमानों की आबादी और जनसांख्यिकीय बदलावों को लेकर फैलाए जा रहे कथित भ्रामक नैरेटिव, विशेषकर डेमोग्राफिक जिहाद के आरोपों को खारिज करते हुए प्रस्ताव पारित किया। प्रस्ताव में जनगणना और राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा गया कि मुस्लिम आबादी की वृद्धि दर 1981-1991 के दौरान 32.9 प्रतिशत थी, जो 2001-2011 में घटकर 24.7 प्रतिशत रह गई। जमीअत के अनुसार जनसंख्या में बदलाव को शिक्षा,रोजगार और सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों के आधार पर समझा जाना चाहिए,न कि सांप्रदायिक नजरिए से। संगठन ने मांग की कि सरकार अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों को शामिल करते हुए स्वतंत्र और निष्पक्ष आयोग गठित करे,जो प्रवासन, शिक्षा,रोजगार तथा सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों का वैज्ञानिक अध्ययन करे। बैठक में गुजरात,उत्तराखंड,असम और अन्य राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू करने के प्रयासों के खिलाफ भी प्रस्ताव पारित किया गया।सामान नागरिक संहिताा को धार्मिक स्वतंत्रता, पारिवारिक मामलों में स्वायत्तता और संविधान से मिले मौलिक अधिकारों के लिए चुनौती बताया। जमीअत के अनुसार विवाह, तलाक और विरासत से जुड़े इस्लामी नियम कुरआन और हदीस पर आधारित हैं। ऐसे मामलों में हस्तक्षेप मुस्लिम धार्मिक स्वतंत्रता से जुड़ा गंभीर प्रश्न है। जमीअत ने उत्तराखंड और गुजरात में अनुसूचित जनजातियों को समान नागरिक संहिता से दी गई छूट और मुसलमानों को इसके दायरे में लाने पर भी आपत्ति जताई। संगठन ने इसे समानता के संवैधानिक सिद्धांतों के संदर्भ में विचारणीय बताते हुए अनुच्छेद 14, 25 और 26 का हवाला दिया।

राजधानी दिल्ली में प्रदूषण पर लगा ब्रेक, पुरानी गाड़ियों की नो-एंट्री

वायु प्रदूषण रोकने पार्किंग शुल्क दोगुना और 50 प्रतिशत वर्क फॉम होम लागू



नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हवा की गुणवत्ता लगातार बिगड़ने और सर्दियों में वायु प्रदूषण के खतरनाक स्तर तक पहुंचने की आशंका को देखते हुए आज यानी 1 नवंबर से कड़े प्रतिबंध लागू कर दिए गए हैं। यह व्यापक कार्ययोजना आगामी 31 जनवरी और कुछ मामलों में 28 फरवरी तक प्रभावी रहेगी। इन नए नियमों का सीधा प्रभाव सड़क पर निजी वाहन लेकर निकलने वालों, सरकारी व निजी दफ्तरों के कर्मचारियों और निर्माण क्षेत्र की गतिविधियों पर पड़ेगा। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर की फेलो प्रार्थना बोरा और एनवायरोकेटालिस्ट के विशेषज्ञ सुनील दहिया के अनुसार इन पाबंदियों से प्रदूषण स्तर में फौरी राहत तो मिलेगी, लेकिन समग्र असर के लिए पड़ोसी राज्यों के साथ साझा तालमेल और निगरानी तंत्र को मजबूत करना अनिवार्य होगा। सड़क परिवहन से होने वाले कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण पाने के लिए दिल्ली के बाहर अन्य राज्यों में पंजीकृत बीएस-VI (BS-6) से नीचे के सभी डीजल और पेट्रोल वाहनों के दिल्ली में प्रवेश पर पूर्ण पाबंदी लगा दी गई है। हालांकि, सीएनजी, इलेक्ट्रिक और आवश्यक सेवाओं में लगी आपातकालीन गाड़ियों को इस प्रतिबंध से पूरी तरह छूट दी गई है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि इस कड़े फैसले से 10 लाख से अधिक बाहरी गाड़ियां दिल्ली की सड़कों पर आने से रुकेंगी, जिससे ट्रैफिक जाम में भारी कमी आएगी और मौसमी परिस्थितियों के आधार पर वाहनों से होने वाले धुएं में 3 से 5 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की जा सकती है। पर्यावरणविदों का सुझाव है कि एनसीआर के सीमावर्ती जिलों में भी ऐसे प्रतिबंध समानांतर रूप से लागू किए जाने चाहिए और पीयूसी सेंटरों की कार्यप्रणाली में सुधार किया जाए। निजी गाड़ियों के बजाय सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली के सभी अधिकृत पार्किंग स्थलों पर 1 नवंबर से 28 फरवरी तक निजी वाहनों का पार्किंग शुल्क दोगुना कर दिया गया है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन की आधिकारिक पार्किंगों को इस वृद्धि से बाहर रखा गया है। शुल्क दोगुना होने से 20 से 30 प्रतिशत वाहन चालकों के सार्वजनिक साधनों की ओर रुख करने की उम्मीद है, जिससे पार्किंग स्थलों के इर्द-गिर्द लगने वाले जाम में राहत मिलेगी और प्रदूषण में 1 से 3 फीसदी की कमी संभव होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि केवल शुल्क बढ़ाना पर्याप्त नहीं है,बल्कि निजी वाहन छोड़कर मेट्रो या बस अपनाने वालों, साइकिल चालकों और पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित कॉरिडोर और प्रोत्साहन योजनाएं भी लानी होंगी। सड़कों पर पीक आवर्स के दौरान वाहनों का अत्यधिक दबाव घटाने के लिए कार्यालयी व्यवस्था में बड़ा फेरबदल किया गया है। 1 नवंबर से 31 जनवरी तक सभी सरकारी और निजी कार्यालयों में केवल 50 प्रतिशत कर्मचारियों को ही दफ्तर बुलाया जाएगा, जबकि शेष 50 फीसदी कर्मचारी घर से (वर्क फ्रॉम होम) काम करेंगे। इसके साथ ही दफ्तरों के समय में भी अंतर किया गया है।

क्लासरूम में बच्ची के साथ दरिंदगी करने वाला निकला रिश्ते में मामा

आंध्र प्रदेश के अनंतपुर की घटना,प्यार' की जिद में भांजी पर चलाई आरी



अमरावती। आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले से एक रोंगटे खड़े कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक सरकारी स्कूल के क्लासरूम में घुसकर 10वीं की नाबालिग छात्रा पर इलेक्ट्रिक कटर आरी से जानलेवा हमला कर दिया गया। पुलिस जांच में आरोपी को लेकर बेहद चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। वारदात को अंजाम देने वाला युवक रिश्ते में पीड़िता का मामा लगता है, जो तथाकथित एकतरफा 'प्यार' का ढोंग रचकर लंबे समय से छात्रा को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा था। आरोपी ने छात्रा के गले, चेहरे और पीठ पर आरी से ताबड़तोड़ वार किए, जिससे वह लहूलुहान होकर मौके पर ही गिर पड़ी। छात्रा को बेहद गंभीर हालत में बेंगलुरु के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां वह जिंदगी की जंग लड़ रही है। यह खौफनाक वारदात अनंतपुर के रपटाडू स्थित जिला परिषद (जेडपी) हाई स्कूल में शनिवार सुबह करीब 10:30 बजे घटी। उस समय 15 वर्षीय पीड़िता कक्षा में अन्य सहपाठियों के साथ मौजूद थी और शिक्षक क्लास ले रहे थे। इसी दौरान श्री सत्य साईं जिले के नागालुरु निवासी आरोपी हेमंत उर्फ डुम्मू अचानक हाथ में चालू इलेक्ट्रिक आरी लेकर क्लास में दाखिल हुआ। जब तक शिक्षक या छात्र कुछ समझ पाते, आरोपी ने पीड़िता पर झपटते हुए उसके गले और पीठ पर आरी से हमला बोल दिया। पास बैठी एक अन्य छात्रा ने बहादुरी दिखाते हुए जब आरोपी को रोकने का प्रयास किया, तो वह भी इस हमले में घायल हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी तेजी से स्कूल परिसर से बाहर भाग निकला। पुलिस और पीड़िता के परिजनों के अनुसार, आरोपी हेमंत अनंतपुर में अपनी बड़ी बहन के घर पर ही रह रहा था और रिश्ते में नाबालिग का मामा लगता था। परिवार का आरोप है कि वह पिछले काफी समय से छात्रा का पीछा कर रहा था और एकतरफा प्रेम का दावा कर उसे परेशान कर रहा था। हमले के तुरंत बाद स्कूल प्रशासन और स्थानीय लोगों ने खून से लथपथ छात्रा को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। वहां से उसकी अत्यंत नाजुक हालत को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए फौरन बेंगलुरु के एक सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल रेफर कर दिया गया।

अनंता रिसॉर्ट्स विला खरीद मामले में मुख्यमंत्री के निर्देश पर एसीबी जांच शुरू

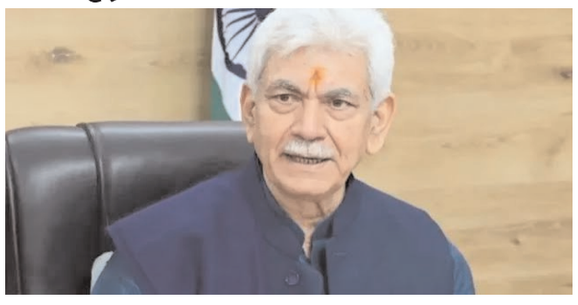
विपक्ष ने की सीबीआई-ईडी जांच की मांग,कानूनी पहलुओं पर भी रख रहें नजर



जयपुर। राजस्थान के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल और उनकी पत्नी अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक प्रशाखा माथुर द्वारा अनंता रिसॉर्ट्स में विला खरीदने के मामले ने प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में तूल पकड़ लिया है। इस मामले में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और तथ्यों की निष्पक्ष पड़ताल के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) को जांच सौंप दी गई है। इससे पहले सरकार ने मामले के सार्वजनिक होने पर शिखर अग्रवाल को एपीओ (पदस्थापन की प्रतीक्षा) कर दिया था। संजय गोयल का बयान और बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट का संदर्भ मामले में अनंता रिसॉर्ट्स संचालित करने वाली गोयल फैशंस प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक (एमडी) संजय गोयल के बयानों के बाद प्रशासनिक प्रक्रियाओं को लेकर भी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। इस मामले में संजय गोयल ने स्पष्ट किया कि 14 फरवरी 2026 को आयोजित बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट की बैठक में किसी एक अधिकारी का व्यक्तिगत निर्णय नहीं था,बल्कि उस उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ सहित समिति के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे,जहां नियमों के तहत सामूहिक अनुमोदन दिए गए। विवाद के बीच संजय गोयल ने अपनी ओर से स्थिति पूरी तरह स्पष्ट करने के लिए नार्को टेस्ट तक करवाने की तत्परता दिखाई है,ताकि रिसॉर्ट्स और प्रशासनिक स्वीकृतियों से जुड़े सभी तथ्य सार्वजनिक हो सकें। शिखर अग्रवाल के पक्ष और प्रशासनिक दस्तावेजों के अनुसार, इस पूरे मामले में कानूनी व वित्तीय स्थिति का ब्योरा पहले से ही दर्ज बताया जा रहा है,सूत्रों के अनुसार, परिवार व रिश्तेदारों के नाम खरीदे गए इन विला की पूरी जानकारी आयकर विभाग (आईटीआर) और सेवा अभिलेखों (सर्विस रिकॉर्ड्स व प्रॉपर्टी रिटर्न्स) में विधिवत दी गई है। ऐसे में यह जांच का विषय है कि क्या नियमों का कोई प्रत्यक्ष उल्लंघन हुआ है या फिर यह सामान्य और वैध वित्तीय लेन-देन का मामला है।



कश्मीरी पंडितों के बिना कश्मीर अधूरा है : उपराज्यपाल मनोज सिन्हा



उपराज्यपाल ने श्रीनगर के ज़ेवान में ट्रांजिट आवास फ्लैटों का किया उद्घाटन

श्रीनगर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को कहा कि कश्मीरी पंडितों के बिना कश्मीर अधूरा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सुरक्षा, आत्मविश्वास और सम्मान के साथ उनकी मातृभूमि पर वापसी इस क्षेत्र की ऐतिहासिक विरासत और मानवीय मूल्यों को बहाल करने की दिशा में एक प्रतिबद्धता है। श्रीनगर के ज़ेवान में ट्रांजिट आवास फ्लैटों का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि कश्मीरी पंडित परिवारों की सम्मानजनक वापसी, कश्मीर की ऐतिहासिक विरासत को बहाल करने और मानवीय गरिमा को पुन: स्थापित करने की दिशा में एक प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि कश्मीर की प्राकृतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक सुंदरता तभी पूर्ण होगी जब कश्मीरी पंडित परिवार अपनी मातृभूमि में सम्मान, सुरक्षा और आत्मविश्वास के साथ रह सकेंगे। प्रधानमंत्री विकास पैकेज के तहत आवास पाने वाले परिवारों का जिक्र करते हुए सिन्हा ने कहा कि हर फ्लैट के पीछे एक परिवार है और हर परिवार के पीछे संघर्ष, धैर्य, इंतजार और उम्मीद की एक लंबी कहानी है। उपराज्यपाल ने ज़ेवान में 936 फ्लैटों का उद्घाटन किया। इसके अलावा उन्होंने बडगाम के कंकरमल और कुपवाड़ा के तोहम बाग में दो अन्य आवासीय परिसरों का वर्चुअल उद्घाटन किया। इस तरह कुल 1,416 फ्लैटों का उद्घाटन किया गया। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के तहत 10 जिलों के 20 स्थानों पर 342 आवासीय ब्लॉकों के माध्यम से 6,000 फ्लैटों का निर्माण किया जाना है। उन्होंने कहा कि अब तक लगभग 5,200 फ्लैट बनकर तैयार हो चुके हैं जिनमें से करीब 3,800 फ्लैट पीएम पैकेज के तहत काम करने वाले कर्मचारियों को आवंटित किए जा चुके हैं। सिन्हा ने बताया कि इस परियोजना को शुरुआत में 920 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत के साथ मंजूरी दी गई थी जिसे बाद में संशोधित करके 1,325 करोड़ रुपये कर दिया गया। उन्होंने यह भी बताया कि 2014 की बाढ़ के कारण इस परियोजना के काम में देरी हुई थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया वादा अब ज़मीनी स्तर पर साकार होने लगा है। आवासीय परिसरों के उचित रखरखाव पर ज़ोर देते हुए उपराज्यपाल ने नियमित जलापूर्ति, निर्बाध बिजली, पर्याप्त सुरक्षा और कचरा प्रबंधन की प्रभावी व्यवस्था की आवश्यकता पर बल दिया।

हड़ताली पटवारियों को दिये नोटिस, मुख्यालय नहीं आने पर पांच निलंबित

बलरामपुर। सरगुजा में जारी पटवारियों की हड़ताल को लेकर प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। संभाग के सभी 819 पटवारियों को तत्काल काम पर लौटने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में रविवार को बलरामपुर जिले के 150 पटवारियों को शो-कॉज नोटिस जारी किया गया है। उन्हें अपने मुख्यालय में उपस्थित होकर कार्यभार ग्रहण करने और उसी दिन संबंधित तहसीलदार के माध्यम से व्यक्तिगत रूप से लिखित स्पष्टीकरण देने को कहा है। संभागायुक्त नरेंद्र दुग्गा ने सरगुजा संभाग के सभी छह जिलों के एसडीएम को निर्देशित किया है कि हड़ताल पर गए पटवारियों को नोटिस जारी कर तत्काल कर्तव्य पर लौटने के लिए कहा जाए। निर्धारित तिथि पर मुख्यालय में उपस्थित नहीं होने और स्पष्टीकरण नहीं देने पर नियमानुसार एकपक्षीय कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। बलरामपुर जिले में मुख्यालय में निवास नहीं करने के कारण पांच पटवारियों के निलंबन की कार्रवाई भी की गई है। हड़ताल पर गए अन्य पटवारियों को भी तत्काल शासकीय कार्यों का संपादन शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, सोमवार 02 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

सम्पादकीय

इससे हासिल क्या होगा?

श्रम सर्वे अगर गिग कर्मियों और घरेलू काम में लगी महिलाओं की केवल गिनती करता है, जबकि उन्हें सामाजिक सुरक्षा मुहैया कराने का कानूनी ढांचा तैयार नहीं होता, तो इस डेटा संग्रह का लाभ संदिग्ध ही रहेगा। नरेंद्र मोदी सरकार ने रोजगार की समझ बदलने की औपचारिक पहल कर दी है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय जनवरी 2027 से अपने आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) में यह बदलाव लागू करेगा। इसके तहत गिग और प्लेटफॉर्म को कर्मियों तथा घरेलू काम में अवैतनिक योगदान करने वाली महिलाओं को रोजगारशुदा गिना जाएगा। इस परिवर्तन के पक्ष में तर्क है कि जोमैटो, स्विगी, ओला, अर्बन कंपनी आदि जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर लाखों लोग काम कर रहे हैं। नए सर्वे से उनकी संख्या मालूम होगी। पता चलेगा कि वे कितने घंटे काम करते हैं। इसी तरह कारोबार में महिलाओं के योगदान को भी मान्यता मिलेगी। इसका एक और परिणाम होगा कि पीएलएफएस के आंकड़ों में श्रम बल में मौजूद लोगों और रोजगारशुदा लोगों की संख्या बढ़ी हुई दिखेगी। 'विकास का कथानक' लिखने के लिहाज से ये आंकड़े काम के साबित होंगे! लेकिन बड़ा सवाल है कि क्या उन आंकड़ों से संबंधित कर्मियों के हालात बदलेंगे? गिग वर्कर्स को प्लैटफॉर्म कंपनियां 'कर्मचारी' नहीं, बल्कि 'स्वतंत्र ठेकदार' मानती हैं। इसलिए उन्हें ना न्यूनतम वेतन की गारंटी मिलती है, ना स्वास्थ्य बीमा, और ना ही पेंशन। सरकार के सोशल सिक्योरिटी कोडके तहत अपेक्षित सुविधाएं शायद ही कहीं धरातल पर अमल में आई हैँ। ऐसे में सर्वे अगर केवल उनकी गिनती करता है और उन्हें सामाजिक सुरक्षा मुहैया कराने का कानूनी ढांचा तैयार नहीं होता, तो इस डेटा संग्रह का लाभ संदिग्ध ही रहेगा। महिलाएं रोज अपने कई घंटे बच्चों-बुजुर्गों की देखभाल, और घरेलू कार्यों में बिना किसी वित्तीय मुआवजे के लगाती हैं। बहरहाल, नए सर्वे में उनके अवैतनिक श्रम को दर्ज करने का प्रतीकात्मक महत्त्व चाहे जो हो, उससे महिलाओं की आर्थिक स्थिति सुधरने की कोई संभावना नहीं बनेगी। जब तक बच्चों और बुजुर्गों की देखभाल का मजबूत सार्वजनिक इंफ्रास्ट्रक्चर (जैसे क्रेच और केयर सेंटर्स) तैयार नहीं होता, अवैतनिक कार्य का बोझ महिलाओं के कंधों से नहीं हट पाएगा। इसलिए असल चुनौती आंकड़े इकट्ठा करने की नहीं, बल्कि श्रम कानूनों में गिग कर्मियों के अनुकूल संशोधन और महिलाओं को आर्थिक संबल देने की योजनाओं को लागू करने की है। इस मामले में सरकार चुप है!

राशिफल



मेष राशिः मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज बच्चों को करियर के मामले में कोई बड़ी खुशखबरी मिलेगी। अपने से बड़ों की बातें गौर से सुनें, भविष्य में आपके लिए फायदेमंद रहेंगी। युवाओं को बढ़िया नौकरी मिलने की संभावना बन रही है। कारोबार में तरक्की के अवसर मिलेंगे। जो लोग राजनीति से जुड़े हैं, उन्हें पुराने किए गए कार्यों से वाह वाही मिलेगी।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज का दिन खुशहाल रहने वाला है। करियर को बढ़ाने में किए गए प्रयासों के चलते लाभ होगा। संतान की सफलता के कारण घर में खुशी का माहौल बना रहेगा। भाई और बहनों का सहयोग आपको भरपूर मात्रा में मिलेगा। शाम को जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बीतेगा।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आज आपको काफी हद तक सफलता हासिल होगी। पारिवारिक मामलों में आज आपको ठंडे दिमाग से सोचने की जरूरत है, परिणाम आपके पक्ष में रहेंगे। आज भाई किसी काम में आपकी मदद करेंगे। समाज में आज आप बढ़िया कार्यों के कारण पहचाने जाएंगे।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में आपके सहकर्मी और सीनियर आपकी परफॉर्मेंस से खुश रहेंगे और आपकी तारीफ करेंगे। आज कोई जरूरी काम आसानी से पूरा कर लेंगे। पिता के जरिए व्यापार में दी हुई जिम्मेदारियां आप आसानी से निभा लेंगे, पिताजी आपसे बहुत खुश होंगे।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आज आप खुद को बदली हुई भूमिका में महसूस करेंगे। आज आपको किसी महत्वपूर्ण चर्चा में शामिल होने का मौका मिलेगा, जिसमें आपकी सहभागिता अच्छी खासी रहेगी। जिम ट्रेनर को आज अच्छे ग्राहक मिलेंगे। आज हर काम को धैर्य और समझदारी से पूरा करने की कोशिश करेंगे।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज का दिन ठीक ठाक रहने वाला है। आज ऑफिस में आपका वर्कलोड बढ़ सकता है, जिसके लिए आपको ओवरटाइम करना पड़ेगा। आज आपको किसी करीबी से कोई ऐसी सलाह मिलेगी, जिससे आपको काफी फायदा होगा। माता आज अपने बच्चों को कुछ मीठा बनाकर खिला सकती हैं।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज आपके कार्यों की प्रशंसा दूर दूर तक लोगों में इत्र की तरह महकेगी। आप सफलता की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ जाएंगे। छात्र किसी खास मामले में एकांत और शांति से विचार करेंगे, तो सब ठीक हो जाएगा। कॉस्मेटिक का व्यापार कर रहे लोगों को आज बड़ा मुनाफा होगा।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियां लेकर आया है। आज किस्मत का पूरा साथ मिलेगा। आज आप अपने व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए कुछ ऐसी योजनाएं बनाएंगे, जिससे आपको फायदा होगा। आज दोस्तों के साथ फोन पर बात करके समय बिताएंगे। पारिवारिक समस्याओं को सुलझाने में बड़े बुजुर्गों का सहयोग प्राप्त होगा।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। बिजनेस में कोई बड़ी सफलता हाथ लग सकती है। आज आप कुछ नया काम शुरू करने की सोच सकते हैं, लेकिन शुरू करने से पहले अपनों से बड़ों की सलाह जरूर ले लें। किसी कोर्ट केस का फैसला आपके पक्ष में रहेगा।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज आपका दिन अनुकूल रहने वाला है। आज आपका पूरा ध्यान अपने कार्यों को पूरा करने में लगा रहेगा। अपनी सकारात्मक सोच को सार्थक कामों में लगाएंगे, इससे आपको सकारात्मक परिणाम मिलेगा।

कुंभ राशिः कुंभ राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज इस बात का खास ख्याल रखें कि दूसरों से तभी दोस्ती करें, जब उनके बारे में पूरी जानकारी कर लें और उन्हें भली भांति समझ लें। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। पिता आपके बिजनेस में आपका सहयोग करेंगे। आज ऑफिस में लोग आपकी पर्सनालिटी की तारीफ करेंगे।

मीन राशिःमीन राशि वालों आज का दिन फायदेमंद रहने वाला है। आज आपको पहले किए गए छोटे मोटे कार्यों से सकारात्मक परिणाम मिलेगा। सफलताएं छोटी ही सही, लेकिन निरंतर बनी रहेंगी। ऑफिस के कार्यों को करते समय फोकस बनाए रखें। आपको जो भी जिम्मेदारी मिलेगी, उसे अपनी समझदारी से बखूबी निभाएंगे।

विदा हो रहे हैं पांच प्रदेशों के मौजूदा नरेश

पंकज शर्मा



अगले साल फरवरी-मार्च में पांच राज्यों - उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर - में विधानसभा के चुनाव होंगे। इन में से पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार है और बाक़ी चारों में भारतीय जनता पार्टी की। आंकड़ों का अंकगणित कुछ भी हो, बीजगणित खुल कर संकेत दे रहा है कि इन सभी प्रदेशों की मौजूदा हुकूमतों के लिए अगले चुनावों में अपनी वापसी दर्ज़ कराना मुश्क़िल है। उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में भाजपा की सरकारें दोबारा नहीं बनेंगी। उत्तर प्रदेश में उसे सरकार बनाने लायक़ स्पष्ट बहुमत हासिल नहीं होगा। पंजाब में 'आप' की सरकार का लौटना भी मुमकिन नहीं लगता है। 2022 के विधानसभा चुनावों और 2024 के लोकसभा चुनाव नतीज़ों के मद्देनज़र अंकों के पीछे छिपे उस बीजमंत्र को समझिए, जिस की वज़ह से पांचों प्रदेशों में 2027 की शुरुआत वहां के वर्तमान शासकों के लिए मुसीबतों की गठरी और विपक्ष के लिए सौगातों का संदूक ले कर आ रही है। सब से पहले उत्तर प्रदेष। वहां 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा 403 में से 255 सीटें जीती थी। मगर इस जीत के गलीचे के नीचे छिपे इस अपशिष्ट पर ज़रा नज़र डालिए कि जीती गई सीटों में से 23 पर भाजपा पांच हज़ार से कम वोट से, 3 सीटें वह तीन हज़ार से कम वोट के अंतर से, 11 सीटें दो हज़ार से कम वोट से, 11 ही सीटें एक हज़ार से कम वोट से और 7 सीटें पांच सौ से भी कम वोट के अंतर से जीती थी।

आंकड़ों का अंकगणित कुछ भी हो, बीजगणित खुल कर संकेत दे रहा है कि इन सभी प्रदेशों की मौजूदा हुकूमतों के लिए अगले चुनावों में अपनी वापसी दर्ज़ कराना मुश्क़िल है। 2022 के विधानसभा चुनावों और 2024 के लोकसभा चुनाव नतीज़ों के मद्देनज़र अंकों के पीछे छिपे उस बीजमंत्र को समझिए, जिस की वज़ह से पांचों प्रदेशों में 2027 की शुरुआत वहां के वर्तमान शासकों के लिए मुसीबतों की गठरी और विपक्ष के लिए सौगातों का संदूक ले कर आ रही है। अगले साल फरवरी-मार्च में पांच राज्यों - उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर - में विधानसभा के चुनाव होंगे। इन में से पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार है और बाक़ी चारों में भारतीय जनता पार्टी की। आंकड़ों का अंकगणित कुछ भी हो, बीजगणित खुल कर संकेत दे रहा है कि इन सभी प्रदेशों की मौजूदा हुकूमतों के लिए अगले चुनावों में अपनी वापसी दर्ज़ कराना मुश्क़िल है। उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में भाजपा की सरकारें दोबारा नहीं बनेंगी। उत्तर प्रदेश में उसे सरकार बनाने लायक़ स्पष्ट बहुमत हासिल नहीं होगा। पंजाब में 'आप' की सरकार का लौटना भी मुमकिन नहीं लगता है। 2022 के विधानसभा चुनावों और 2024 के लोकसभा चुनाव नतीज़ों के मद्देनज़र अंकों के पीछे छिपे उस बीजमंत्र को समझिए, जिस की वज़ह से पांचों प्रदेशों में 2027 की शुरुआत वहां के वर्तमान शासकों के लिए मुसीबतों की गठरी और विपक्ष के लिए सौगातों का संदूक ले कर आ रही है। सब से पहले उत्तर प्रदेष। वहां 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा 403 में से 255 सीटें जीती थी। मगर इस जीत के गलीचे के नीचे छिपे इस अपशिष्ट पर ज़रा नज़र डालिए कि जीती गई सीटों में से 23 पर भाजपा पांच हज़ार से कम वोट से, 3 सीटें वह तीन हज़ार से कम वोट के अंतर से, 11 सीटें दो हज़ार से कम वोट से, 11 ही सीटें एक हज़ार से कम वोट से और 7 सीटें पांच सौ से भी कम वोट के अंतर से जीती थी। यानी 55 सीटें ऐसी हैं, जो अगले चुनाव में ढाई सौ से ढाई हज़ार वोट इधर-उधर होते ही भाजपा की झोली से नीचे गिर सकती हैं। स्पष्ट बहुमत 202 सीटों का है। 255 में से 55 खिसक गईं तो योगी आदित्यनाथ को सरकार बनाने लायक़ बहुमत अकेले भाजपा के भरोसे तो मिलेगा नहीं। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस इस बार पहले से बहुत ज़्यादा अच्छी स्थिति में हैं। इसे समझने के लिए इन तथ्यों पर ध्यान दीजिए। पिछले चुनाव में सपा ने 111 सीटें जीती थीं। 38 और सीटें ऐसी थीं, जो वह बहुत कम वोट के अंतर से हारी थी। 13 सीटों पर उस की हार का फ़र्क़ पांच हज़ार वोट से कम था, 14 पर वह तीन हज़ार से भी कम वोट से, 7 पर एक हज़ार से कम वोट से और 4 पर पांच सौ से भी कम वोट के फ़र्क़ से हारी थी। 2022 का विधानसभा चुनाव सपा और कांग्रेस ने अलग-अलग लड़ा था। सपा ने 347 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे और 32 प्रतिशत की सफलता-दर हासिल की थी। सपा-गठबंधन को पिछले विधानसभा चुनाव में 125 सीटों पर जीत मिली थी। 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा विधानसभा के 184 क्षेत्रों में आगे रही है। कांग्रेस विधानसभा के 39 क्षेत्रों में पहले क्रम पर रही। यानी दोनों मिल कर 223 सीटों पर भाजपा से आगे रहे हैं। भाजपा के अभी 255 विधायक हैं, मगर लोकसभा के चुनाव में उन में से सिर्फ़ 162 की सीटों पर भाजपा को बढ़त मिल पाई है। अगर एनडीए के बाक़ी दलों को भी शामिल कर लें तो भी यह आंकड़ा 174 पर पहुंचता है। यानी 93 सीटों का नुक़सान तो भाजपा को सीधे-सीधे हो रहा है और एनडीए को मिला कर भी योगी को स्पष्ट बहुमत प्राप्त करने के लिए 28 विधायकों की ज़रूरत और होगी। युवाओं के देशव्यापी आंदोलन के चलते भाजपा की हालत दिनोंदिन और खराब ही हो रही है। सो, मान कर चलिए कि उत्तर प्रदेश से इस बार भाजपा की विदाई हो रही है। अब आइए उत्तराखंड पर। वहां भाजपा 70 में से 47 सीटें जीती थी। इन में से 8 सीटें उसे पांच हज़ार से कम वोट के अंतर सें, 4 सीटें तीन हज़ार वोट से कम से और 2 सीटें पर एक हज़ार वोट से कम के अंतर से मिली थीं। यानी 14 सीटें ऐसी हैं, जो इस बार उस के हाथ से खिसक सकती हैं। स्पष्ट बहुमत का आंकड़ा 36 है। भाजपा उस से 3 अंक पीछे रह सकती है। कांग्रेस को पिछले चुनाव में 19 सीटें मिली थीं। मगर 22 विधानसभा क्षेत्रों में उस की हार का अंतर पांच हज़ार वोट से कम रहा था। 7 सीटें वह तीन हज़ार वोट से कम के अंतर से हारी थी और 2 सीटों पर तो उस की हार का फ़र्क़ एक हज़ार से भी कम वोट का था। अगर इन सभी सीटों पर इस बार कांग्रेस अपनी मजबूती बरकरार रख पाती है तो उसे 41 सीटों पर जीत मिल सकती है। ज़ाहिर है कि उत्तराखंड की सरकार के ख़िलाफ़ स्थानीय क्षोभ के चलते वहां से भी भाजपा की विदाई के बहुत ठोस आसार नज़र आ रहे हैं। पंजाब में भाजपा की ज़मीनी मौजूदगी न पिछले विधानसभा चुनाव में थी और न इस बार दिखाई दे रही है। आम आदमी पार्टी ने 2022 में 117 में से 92 सीटें जीती थीं .इन में से 7 सीटें वह पांच हज़ार वोट से कम के अंतर से, 4 सीटें तीन हज़ार वोट से कम से, 1 सीट एक हज़ार वोट से कम से और 1 सीट पांच सौ वोट से भी कम से जीती थी। ये 13 सीटें इस बार उस के पल्लू से छिटक भी जाएं तो भी उसे 59 सीटों के सपष्ट बहुमत से पीछे जाने के लिए 21 और सीटें हारनी होंगी। क्या ऐसा हो पाएगा? हां, ऐसा होने की संभावना लगातार बढ़ती जा रही हैं। 2022 में कांग्रेस सिर्फ़ 18 सीटों पर सिमट गई थी। मगर बीजगणित यह है कि हारी गई सीटों में से 11 वह पांच हज़ार से कम वोटों से, 5 सीटें तीन हज़ार से कम वोट से, 1 सीट एक हज़ार से कम वोट से और 1 पांच सौ से भी कम वोट से हारी थी। यानी ये 18 सीट ऐसी हैं, जिन्हें वह इस बार जीत सकती है। अगर ऐसा हुआ तो कांग्रेस का आंकड़ा न्यूनतम 36 पर तो पहुंच जाएगा। 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को विधानसभा के 37 क्षेत्रों में बढ़त मिली है, जब कि 'आप' सिर्फ़ 33 विधानसभा क्षेत्रों में ही आगे रह पाई है। यानी उस के मौजूदा विधायकों में से 59 खतरे में हैं।

जनता अब खुद सवाल तय कर रही है!

श्रुति व्यास



सवाल है कोई पार्टी यदि सत्ता में बैठकर भी विपक्ष की तरह लड़ती रहे और विपक्ष में पहुँचकर भी कोई पार्टी खुद को सत्ताधारी समझती रहे तो लोकतंत्र का क्या होगा? पिछले बारह वर्षों की भारतीय राजनीति का यह अजीब किस्सा है। भाजपा सरकार चलाते हुए भी कांग्रेस से ऐसे लड़ती रही मानो देश अभी उसी के कब्जे में हो। कांग्रेस विपक्ष में बैठी रही, लेकिन इस भाव से उबर नहीं पाई कि सत्ता तो उसी की है, बस किसी ने छीन ली है। एक उस सरकार से लड़ती रही जो जा चुकी थी। दूसरी यह मानने को तैयार नहीं हुई कि उसकी सरकार जा चुकी है। सो बार-बार चुनाव हुए। पूरी ताकत से हुए। टेलीविजन पर घमासान लगातार रहा। आरोप लगे, जवाब आए। लेकिन देश की राजनीतिक बहस कितनी आगे बढ़ी? सरकार के पास अपनी कमियों के लिए कांग्रेस थी। कांग्रेस के पास अपनी दुर्दशा के लिए भाजपा। दोनों को एक-दूसरे की जरूरत थी। दोनों इस इंतजाम में सहज भी हो गए। मैं हाल में कश्मीर और लद्दाख की यात्रा में बार-बार यही बात सोचती हुई थी। दिल्ली से दूर थी। उसके रोज के राजनीतिक शोर से भी। सोचा था, कुछ दिन उससे छुट्टी मिलेगी। लेकिन वहाँ लोगों की बातचीत में राजनीति को लेकर ऐसी उत्सुकता मिली जो दिल्ली में लंबे समय से महसूस नहीं हुई थी। लोग सवाल पूछ रहे थे। केवल नाराजगी में नहीं। जानने की इच्छा से। इस संभावना के उत्साह में कि आगे कुछ बदल भी सकता है। और चर्चा कश्मीर की नहीं, दिल्ली की थी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का क्या होगा? सीजेपी में कितना दम है? उसका आंदोलन क्या सचमुच सत्ता प्रतिष्ठान को परेशान कर सकता है? जेन ज़ी का विरोध कुछ दिनों का उबाल है या नौजवानों के भीतर कुछ ज्यादा गहरा पक रहा है? और इन सबके बीच घूमता वह सवाल—क्या भाजपा वाकई उतनी अजेय है जितनी दिखाई देती है? सवालों से अधिक मुझे उन्हें पूछने की सहजता ने चौंकाया। ऐसा नहीं कि सब भाजपा के खिलाफ थे। या सबकी उम्मीद कांग्रेस से थी। किसी को शक था, किसी को उम्मीद। कुछ को शायद इसी संभावना में मजा आ रहा था कि राजनीति का अगला पन्ना अभी लिखा नहीं गया है। आखिर लंबे समय बाद बातचीत में कुछ ऐसा था जिसका जवाब पहले से तय नहीं था। वर्षों से दिल्ली कश्मीर की चर्चा करती आई है। कश्मीर एक समस्या है। उसे समझना है, संभालना है, उसका समाधान करना है। और अब कश्मीर में बैठी मैं सुन रही थी कि लोग दिल्ली को समझने की कोशिश कर रहे हैं। वहाँ क्या चल रहा है? आगे क्या होगा? किसकी कितनी ताकत है? मानो इस बार पहेली दिल्ली हो गई हो। इसे भारतीयों का राजनीतिक गपशप का पुराना शौक मान सकते हैं। लेकिन क्या बात इतनी ही है? कहीं ऐसा तो नहीं कि हम राजनीति के तयशुदा नतीजों के इतने आदी हो गए हैं कि अनिश्चितता की थोड़ी-सी गुंजाइश भी उत्साह पैदा करने लगी है? जब रोज बताया जाए कि कौन जीतेगा, कौन हार चुका है और किसका कोई भविष्य नहीं है, तब इस धारणा में छोटी-सी दरार भी देखने लायक हो जाती है। फिर चर्चा के लिए सामग्री भी खूब है। एलन मस्क के हवाले से एक सवाल चला कि क्या भारत के असली बॉस मुकेश अंबानी हैं? न कोई प्रमाण, न इससे कोई निष्कर्ष निकाला जा सकता है। लेकिन ऐसे सवाल का चल पड़ना और उसमें लोगों की दिलचस्पी भी कुछ बताती है। लोग पैसे और सत्ता के रिश्ते पर बात करना चाहते हैं। किसकी कहाँ तक पहुँच है? सरकार के फैसलों में किसका कितना असर है? सार्वजनिक सत्ता और निजी संपत्ति के बीच की दूरी आखिर बची कितनी है? फिर सोनिया गांधी की आने वाली आत्मकथा 'बिलॉन्गिंग- ए जर्नी ऑफ लव' की चर्चा है। सोचें, एक व्यक्ति का जीवन कितने वर्षों तक भाजपा की राजनीति की सामग्री बना रहा। इटली में जन्मी महिला। भारत के सबसे ताकतवर राजनीतिक परिवार में विवाह। फिर कांग्रेस की अध्यक्षता। प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं करना। बावजूद इसके पार्टी और सरकार में प्रभाव बनाए रखना। उनके विदेशी मूल पर कितने चुनाव लड़े गए, कितने भाषण हुए! अब वे अपनी कहानी खुद सुनाने वाली हैं। मेरी उत्सुकता केवल यह नहीं है कि वे क्या बताएँगी। यह भी है कि देश फिर उसी पुरानी बहस में लौटेगा या उनके जीवन को कुछ अलग ढंग से पढ़ पाएगा? कांग्रेस अपने अतीत से बाहर नहीं निकल पाई। भाजपा ने भी उसे बाहर निकलने देने में दिलचस्पी नहीं दिखाई। गांधी परिवार कांग्रेस के लिए विरासत रहा तो भाजपा के लिए निशाना। दोनों के लिए अतीत काम का रहा। उधर फारूक अब्दुल्ला हैं। उन्होंने फिर कुछ ऐसा कह दिया जिससे दिल्ली में नाराजगी का परिचित दौर शुरू हो जाए। बारामूला में पाकिस्तान पर उनकी टिप्पणी आई और अपेक्षित प्रतिक्रियाएँ भी आ गईं। मैं सोच रही थी, क्या उमर अब्दुल्ला की सरकार के दौरान अपेक्षाकृत शांति से पुराने योद्धा ऊबने लगे हैं? या दिल्ली को याद दिलाना चाहते हैं कि वे अभी हैं। केवल सम्मानित बुजुर्ग बनकर बैठ जाने का उनका इरादा नहीं है। लेकिन यहाँ भी फर्क देखिए। फारूक अब्दुल्ला पाकिस्तान को चर्चा में वापस ला रहे थे। और जिन कश्मीरियों से मेरी बात हो रही थी, वे भारत की अंदरूनी राजनीति में ज्यादा दिलचस्पी ले रहे थे। उन्हें दिल्ली की सत्ता के भीतर और उसके सामने बनती चुनौतियाँ जाननी थीं। इसी बीच सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश संजय किशन कौल की आने वाली आत्मकथा 'विदाउट फियर ऑर फेवर' की चर्चा है। न्यायिक मतभेदों की यादें। संस्थाओं के भीतर काम करने के अनुभव। सत्ता और अधिकार के उन गलियारों का विवरण जिन्हें बाहर बैठा नागरिक पूरी तरह देख नहीं पाता। न्यायाधीशों से कहा जाता है कि उनके फैसले बोलने चाहिए। वे अपने संस्मरणों में बोलें तो लोग यह भी जानना चाहेंगे कि फैसलों के पीछे का अनुभव क्या था। ऊपर से देखें तो इन बातों का आपस में संबंध नहीं है। एक अरबपति की कथित टिप्पणी। एक राजनीतिक परिवार की कहानी। एक पुराने नेता का विवाद। एक पूर्व न्यायाधीश की यादें। लेकिन मुझे इनमें एक बात साझा लगी। इन्हें चर्चा का विषय बनने के लिए भाजपा और कांग्रेस की बहुत कम जरूरत पड़ रही है। लोगों की अपनी उत्सुकता है। वे जानना चाहते हैं कि जो बताया जा रहा है, उसके पीछे क्या है? ताकत वास्तव में कहाँ है? और जो आज स्थायी दिखाई देता है, वह कितना स्थायी है? शायद राजनीति के जरूरत से ज्यादा अनुमान योग्य हो जाने पर ऐसा होता है। लोग उसमें कुछ अनसोचा तलाशने लगते हैं। कोई संभावना, जिस पर अभी पार्टियों की मुहर न लगी हो। भाजपा की पिछले वर्षों की बड़ी ताकत यही रही कि देश किस बात पर बहस करेगा, यह वह तय करती थी। कांग्रेस विरोध भी करती थी तो प्राय: उसी के चुने विषयों पर। इतिहास हो, राष्ट्रवाद हो, गांधी परिवार हो या असहमत व्यक्ति की देशभक्ति—सवाल भाजपा बनाती थी। कांग्रेस उत्तर देने में जुट जाती थी। वह सफाई देती थी, प्रतिवाद करती थी और अगले सवाल का इंतजार करती थी। चुनावी लिहाज से भाजपा को इसका खूब लाभ मिला। लेकिन क्या आज भी लोगों की राजनीतिक जिज्ञासा उसी घेरे में बँधी हुई है? क्या वे अब भी वही सुनना चाहते हैं जो उन्हें वर्षों से सुनाया जा रहा है? इससे कांग्रेस अपने आप प्रासंगिक नहीं हो जाती। उसकी अपनी परीक्षा है। मतदाता सूचियों और चुनाव आयोग पर आरोपों को लेकर एक नवंबर को रामलीला मैदान में उसकी प्रस्तावित रैली को ही लें। यही वह मैदान है जहाँ कभी कांग्रेस सरकार के खिलाफ गुस्सा जमा हुआ था। तब उससे जवाब माँगा जा रहा था। अब वह चाहती है कि लोग उसके साथ खड़े होकर सरकार से जवाब माँगें। लेकिन मैदान भर जाने से आंदोलन नहीं बनता। और आंदोलन से जनादेश तक का रास्ता तो और लंबा है। कांग्रेस को समझना होगा कि भाजपा से नाराज हर व्यक्ति राहुल गांधी का समर्थक नहीं है। सरकार के खिलाफ उठी हर आवाज उसकी वापसी की पुकार नहीं है। जनता का गुस्सा किसी पार्टी की जमा पूँजी नहीं होता कि जरूरत पड़ी और निकाल लिया। उसे सुनना पड़ता है। उसका भरोसा कमाना पड़ता है। अपने आचरण से बताना पड़ता है कि सत्ता मिलने पर उसके सवालों का क्या होगा। जो पार्टी अब भी कभी-कभी ऐसे व्यवहार करती है मानो अपनी सत्ता कहीं रखकर भूल गई हो, उसके लिए यह आसान सबक नहीं है। लेकिन मेरी ज्यादा उत्सुकता भाजपा को लेकर है। सवाल पूछने की इस भूख का वह क्या करेगी? लोगों को बोलने क्यों नहीं दिया जाए? प्रदर्शनकारी प्रदर्शन करें। कांग्रेस नारे लगाए। मीम बनें। नौजवान अपनी भाषा में अपनी नाराजगी कहें। बारह वर्षों से देश चला रही पार्टी, इतने बड़े संगठन और इतनी चुनावी सफलताओं के बाद भी हर नई आवाज से परेशान क्यों हो? भीड़ में कोई नया चेहरा दिखे तो उसे तत्काल खतरा क्यों मान लिया जाए? आखिर इतनी ताकत किस काम की, यदि आलोचना सुनने का धीरज भी न दे? उलटे हर सवाल के पीछे विरोधी तलाशने की आदत बनी हुई है। किसने उकसाया? कौन पीछे है? किसका एजेंडा है? मानो नागरिक अपने अनुभव से नाराज हो ही नहीं सकता। उसे किसी न किसी ने भेजा होगा। इतनी शक्तिशाली सरकार का लगभग हर आलोचना का जवाब देना जरूरी समझना अपने आप में विचारने की बात है। कुछ सवालों को सुनकर भी छोड़ा जा सकता है। कुछ नाराजगियों को अपनी जगह रहने दिया जा सकता है। भाजपा ने कभी कांग्रेस सरकार को ऐसा बना दिया था कि वह अपनी ही सत्ता में अपने भविष्य से डरी हुई लगने लगी थी। उसे ध्यान रखना चाहिए कि कहीं वही बेचैनी अब उसके अपने व्यवहार में न उतर आए। और उन लोगों पर भी ध्यान देना चाहिए जो अपना राजनीतिक मंच खुद खड़ा कर रहे हैं। नेहा बोरा और अभिजीत दीपके जैसे चेहरे कुछ समय बाद ओझल हो सकते हैं। आगे अपने दम पर नेता भी बन सकते हैं। अभी कौन जानता है? लेकिन उनकी उपस्थिति को केवल इस आधार पर खारिज नहीं किया जा सकता कि वे किसी स्थापित पार्टी के नेता नहीं हैं। राजनीति में खाली जगह पड़ी नहीं रहती। पार्टियाँ उसे न पहचानें तो कोई और उसमें खड़ा हो जाता है। और सरकार से सवाल पूछने वाले हर व्यक्ति की मंजिल कांग्रेस नहीं होती। इसीलिए मुझे आज की अनिश्चितता दिलचस्प लगती है। इसमें 2029 की कोई भविष्यवाणी तलाशना जल्दबाजी होगी। लेकिन यह देखना जरूरी है कि लोग क्या पूछ रहे हैं। किन जवाबों से उनका मन भर गया है। किन संभावनाओं पर वे अब अपने ढंग से बात करने लगे हैं। मैं छुट्टी पर गई थी। कुछ शांति मिलेगी, ऐसा सोचा था।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, सोमवार 02 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

मां बनने के बाद काम पर लौटीं दिव्यांका त्रिपाठी, बोलीं- बाउंस बैक जैसा कुछ नहीं होता



अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी इन दिनों पति विवेक दहिया के साथ कपल रियलिटी शो पति पत्नी और पंगा में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में जुड़वा बच्चों के जन्म के बाद काम करने की चुनौतियों पर बात की। अभिनेत्री ने बताया कि बच्चों को कुछ समय के लिए अकेले छोड़ना बहुत मुश्किल हो गया है, क्योंकि वे बड़े हो रहे हैं और अपने आसपास की चीजों को एक्सप्लोर कर रहे हैं। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि जैसे-जैसे बच्चे बड़े हो रहे हैं, उनकी देखभाल का अनुभव भी बदल रहा है। दिव्यांका त्रिपाठी ने कहा, इस स्टेज पर बच्चों को संभालना आसान है, क्योंकि अभी बस वह सोते और खाते हैं लेकिन मुझे पता है कि अब उनके घुटनों के बल चलने का समय आएगा। उन्होंने धीरे-धीरे खुद को आगे बढ़ाना शुरू कर दिया है। मेरे लिए तो उन्हें दो से चार मिनट के लिए भी अकेला छोड़ना मुश्किल है। इसलिए मुझे उन्हें सेट पर भी साथ ले जाना पड़ता है। हालांकि, यह आसान नहीं है।अभिनेत्री ने बताया कि लोगों को इस बात पर भी हैरानी होती है कि वो इतनी जल्दी काम पर कैसे लौट आईं। उन्होंने कहा, मैं हमेशा कहती हूं कि महिलाएं ऐसे ही बाउंस बैक नहीं कर लेतीं। देखिए, ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। भले ही हम एक्ट्रेस कैमरे के सामने हंसती-मुस्कराती दिखती हैं लेकिन शरीर के अंदर दर्द, थकान और दिमाग में कन्फ्यूजन जैसा रहता है।

रजनीकांत की जेलर 2 का बॉक्स ऑफिस पर तूफान, तीन दिनों में वर्ल्डवाइड 300 करोड़ पार, 'नई नवेली' की कमाई में उछाल, 'प्रहार' की कमाई भी बढ़ी

सिनेमाघरों में इन दिनों कई बड़ी फिल्मों के बीच बॉक्स ऑफिस पर कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है। इस प्रतिस्पर्धा के बीच दक्षिण भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' शानदार प्रदर्शन कर रही है। रिलीज के शुरुआती तीन दिनों में ही फिल्म का दुनिया भर में कुल कारोबार 317 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। वहीं, यामी गौतम की फिल्म 'नई नवेली' और राजकुमार राव अभिनीत 'प्रहार = द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ उज्ज्वल निकम' भी दर्शकों को आकर्षित करने में जुटी हैं।रजनीकांत की एक्शन प्रधान फिल्म 'जेलर 2' ने भारतीय बॉक्स ऑफिस के साथ विदेशी बाजारों में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। सैकनिल्क के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, फिल्म ने रिलीज के तीसरे दिन भारत में लगभग 47.80 करोड़ रुपये का शुद्ध कारोबार किया। इसमें तमिल संस्करण की हिस्सेदारी 34.60 करोड़ रुपये, तेलुगु संस्करण की 8.50 करोड़ रुपये और हिंदी संस्करण की 4.25 करोड़ रुपये रही।

इन आंकड़ों के अनुसार, फिल्म का शुरुआती तीन दिनों का कुल भारतीय शुद्ध कारोबार 169.65 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। वहीं, तीसरे दिन विदेशी बाजारों से लगभग 47.50 करोड़ रुपये की कमाई हुई। इसके साथ ही फिल्म का तीन दिनों का दुनिया भर का कुल सकल कारोबार 317.15 करोड़ रुपये बताया गया है।रजनीकांत की लोकप्रियता और फिल्म के एक्शन दृश्यों को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। कई फिल्मों के एक साथ सिनेमाघरों में मौजूद होने के बावजूद 'जेलर 2' की कमाई इसकी मजबूत शुरुआत की ओर इशारा करती है।एक्शन फिल्मों से अलग विषय लेकर आई यामी गौतम की 'नई नवेली' भी बॉक्स ऑफिस पर अपनी जगह बनाने में सफल होती दिख रही है। पौराणिक कल्पना, रहस्य और डर के तत्वों से सजी इस फिल्म की कहानी मेरठ की पृष्ठभूमि पर आधारित है। इसमें यामी एक नवविवाहिता की भूमिका में हैं, जिसके व्यवहार को लेकर उसके ससुराल वालों के मन में संदेह पैदा होने लगता है और वे उसे डायन समझने लगते हैं।फिल्म को समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली है, लेकिन यामी गौतम के अभिनय की तारीफ हो रही है। सैकनिल्क के शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, फिल्म ने पहले दिन भारत में लगभग 3.25 करोड़ रुपये का शुद्ध कारोबार किया था। पहले दिन इसका सकल भारतीय कारोबार 3.83 करोड़ रुपये और विदेशी बाजारों से कमाई लगभग 75 लाख रुपये रही। इस तरह पहले दिन का दुनिया भर का कुल सकल कारोबार करीब 4.58 करोड़ रुपये बताया गया।



रिलीज के दूसरे दिन, शनिवार को फिल्म ने लगभग 4 करोड़ रुपये का शुद्ध कारोबार किया। इसके साथ ही दो दिनों का कुल भारतीय शुद्ध कारोबार बढ़कर 7.25 करोड़ रुपये हो गया। दूसरे दिन फिल्म के लगभग 5,945 प्रदर्शनों में दर्शकों की उपस्थिति दर्ज की गई। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, दूसरे दिन की कमाई में बढ़ोतरी ने फिल्म को बॉक्स ऑफिस की प्रतिस्पर्धा में बनाए रखा है।

राजकुमार राव की फिल्म 'प्रहार = द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ उज्ज्वल निकम' भी बॉक्स ऑफिस पर मुकाबले में शामिल है। फिल्म ने पहले दिन लगभग 2.35 करोड़ रुपये का शुद्ध कारोबार किया था। शनिवार को दूसरे दिन इसकी कमाई बढ़कर करीब 3.15 करोड़ रुपये पहुंच गई। इसके साथ ही दो दिनों का कुल शुद्ध कारोबार लगभग 5.50 करोड़ रुपये हो गया।

दूसरे दिन कारोबार में बढ़ोतरी के बावजूद शुरुआती आंकड़ों के आधार पर 'नई नवेली' की कुल कमाई 'प्रहार' से आगे है। हालांकि, दोनों फिल्मों का प्रदर्शन आने वाले दिनों में दर्शकों की प्रतिक्रिया और सप्ताहांत के कारोबार पर निर्भर करेगा।

बॉक्स ऑफिस पर 'जेलर 2', 'नई नवेली' और 'प्रहार' के प्रदर्शन से स्पष्ट है कि अलग-अलग विषयों और शैलियों की फिल्में दर्शकों को आकर्षित करने की कोशिश कर रही हैं। जहां रजनीकांत की फिल्म बड़े स्तर पर कमाई कर रही है, वहीं यामी गौतम की रहस्य-प्रधान फिल्म और राजकुमार राव की फिल्म ने दूसरे दिन कारोबार में बढ़ोतरी दर्ज की है। ये सभी आंकड़े शुरुआती अनुमान पर आधारित हैं और अंतिम आंकड़ों में बदलाव संभव है। आने वाले दिनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि इनमें से कौन-सी फिल्म अपनी कमाई की रफ्तार बनाए रखती है।

आनंद एल राय की फिल्म नखरेवाली की रिलीज तारीख का ऐलान, अंश दुग्गल और प्रगति श्रीवास्तव की जोड़ी आएगी नजर

बॉलीवुड निर्माता आनंद एल. राय की आगामी फिल्म 'नखरेवाली' अब सिनेमाघरों में रिलीज होगी। निर्माताओं ने सामाजिक माध्यमों पर आधिकारिक घोषणा करते हुए फिल्म की रिलीज की तारीख का खुलासा किया है। इसके साथ ही फिल्म को सीधे नेटफ्लिक्स पर रिलीज किए जाने की खबरों पर विराम लग गया है। राहुल शंकल्या के निर्देशन में बनी यह रोमांटिक हास्य-प्रधान फिल्म 30 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

वर्ष 2024 में घोषित इस फिल्म के जरिए नए कलाकार अंश दुग्गल और प्रगति श्रीवास्तव को हिंदी सिनेमा में पेश किया जा रहा है। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही उत्सुकता बनी हुई है। निर्माताओं ने यह भी जानकारी दी है कि फिल्म का आधिकारिक पूर्वावलोकन यानी ट्रेलर जल्द जारी किया जाएगा।

'नखरेवाली' एक प्रेम, हास्य और नाटकीय घटनाक्रमों से भरपूर फिल्म है। इसके जारी पोस्टर में अंश दुग्गल लहंगे में दिखाई दे रहे हैं, जबकि प्रगति श्रीवास्तव नीले रंग के सूट में नजर आ रही हैं। दोनों कलाकारों का यह अनोखा अंदाज फिल्म की कहानी को लेकर उत्सुकता बढ़ा रहा है। पोस्टर से संकेत मिलता है कि फिल्म में मनोरंजन के साथ कई दिलचस्प मोड़ देखने को मिल सकते हैं।

फिल्म की घोषणा के बाद से ही इसकी रिलीज को लेकर अलग-अलग खबरें सामने आ रही थीं। हाल ही में इसे सीधे डिजिटल मंच पर रिलीज किए जाने की चर्चा थी, लेकिन निर्माताओं की ताजा घोषणा ने इन अटकलों को समाप्त कर दिया है। अब दर्शक इसे बड़े पर्दे पर देख सकेंगे।

डायबिटीज मेरी जिंदगी का हिस्सा है, पूरी पहचान नहीं, ऐश्वर्या सखुजा ने बयां किया 10 साल का अनुभव



सास बिना ससुराल, मैं ना भूलूंगी, त्रिदेवियां और रिश्ता डॉट कॉम जैसे शो में नजर आ चुकीं टीवी एक्ट्रेस ऐश्वर्या सखुजा पिछले 10 साल से टाइप-1 डायबिटीज से जूझ रही है। इस बीमारी को लेकर उन्होंने बताया कि उन्हें शुरुआत में गलत बीमारी बताई गई थी। बाद में पता चला कि वह टाइप-1 डायबिटीज से जूझ रही हैं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर बताया कि पिछले 10 साल उनके लिए इंसुलिन लेने, अपनी बॉडी को समझने और लाइफस्टाइल में बदलाव करने का सफर रहा है। आज टाइप-1 डायबिटीज को मैनेज करना कई बार थका देने वाला रहता है। ऐश्वर्या ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 10 साल पहले मेरी बीमारी का गलत पता लगाया गया था। जब तक मुझे समझ आया कि मेरी बॉडी के साथ क्या हो रहा है, तब तक मुझे अंदाजा भी नहीं था कि मेरी जिंदगी इस तरह बदलने वाली है और मुझे हर दिन इसके साथ तालमेल बिठाना पड़ेगा। डायबिटीज के साथ जीते हुए मुझे 10 साल पूरे हो गए हैं।

उन्होंने आगे लिखा, 10 साल से इंसुलिन ले रही हूं। 10 साल से अपनी बॉडी को समझ रही हूं। इस दौरान कई उतार-चढ़ाव आए, बहुत कुछ सीखा, कई बार निराशा हुई और धीरे-धीरे चीजों को समझना पड़ा। इन 10 सालों में मैंने अपना ख्याल रखने की कोशिश की है। उन दिनों में भी जब खुद की देखभाल करना किसी फुल-टाइम जॉब जैसा लगता है।

एक्ट्रेस ने लिखा, मैंने एक्सरसाइज की है और अपने खाने को लेकर भी ध्यान रखा है। मैंने सीखा है कि अपना ख्याल रखने का मतलब परफेक्ट होना नहीं है। इसका मतलब है बार-बार कोशिश करते रहना। इस सफर में मुझे अपनी बॉडी के प्रति थोड़ा और नरम होना भी सीखना पड़ा है। उस बॉडी के प्रति, जिसे इंसुलिन की जरूरत होती है।उन्होंने लिखा, मैं डायबिटीज को खूबसूरत बनाकर पेश नहीं करूंगी। यह थका देने वाली, कई बार नाइंसाफी जैसी लगने वाली और बहुत मेहनत मांगने वाली बीमारी हो सकती है। लेकिन यह मेरी जिंदगी का एक हिस्सा है, लेकिन मेरी पूरी पहचान नहीं।

अपनी पोस्ट के आखिर में ऐश्वर्या ने टाइप-1 डायबिटीज के साथ जी रहे लोगों को भी हिम्मत दी। उन्होंने लिखा, अपनी सेहत का ध्यान रखने के लिए हर समय परफेक्ट होना जरूरी नहीं है। जरूरी यह है कि इंसान अपनी क्षमता के मुताबिक लगातार कोशिश करता रहे। ब्लड ग्लूकोज मॉनिटर पर दिखने वाले नंबरों से कहीं ज्यादा चीजें डायबिटीज से जुड़ी होती हैं।

अल्लू अर्जुन की 'राका' की शूटिंग साल के अंत तक पूरी होने की उम्मीद, दीपिका पादुकोण मुख्य भूमिका में आएंगी नजर



दक्षिण भारतीय सिनेमा के चर्चित अभिनेता अल्लू अर्जुन की आगामी फिल्म 'राका' को लेकर दर्शकों की उत्सुकता लगातार बढ़ रही है। निर्देशक एटली के निर्देशन में बन रही इस फिल्म का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। अब ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि फिल्म के पहले हिस्से की शूटिंग इस साल के अंत तक पूरी हो सकती है। हालांकि, निर्माताओं की ओर से इस समयसीमा की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।फिल्म की घोषणा के बाद से ही इसे लेकर काफी चर्चा है। इसके प्रचार से जुड़ी झलकियों ने भी दर्शकों का ध्यान खींचा है। फिल्म को बड़े स्तर पर तैयार किया जा रहा है और निर्माताओं ने इसे दो हिस्सों में प्रदर्शित करने की योजना बनाई है। फिल्म की प्रस्तुति को अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुरूप बनाने पर भी जोर दिया जा रहा है।रिपोर्टों के मुताबिक, 'राका' के पहले हिस्से की शूटिंग पूरी होने के बाद अल्लू अर्जुन इसी साल निर्देशक लोकेश कनगराज के साथ अपनी अगली फिल्म पर काम शुरू कर सकते हैं। हालांकि, इस परियोजना की शूटिंग शुरू होने की तारीख को लेकर आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।'राका' में दीपिका पादुकोण मुख्य महिला भूमिका निभा रही हैं।

स्पिरिट की नई रिलीज डेट आउट, रणबीर कपूर-यश की रामायण पार्ट 2 से टकराएगी संदीप रेड्डी वांगा-प्रभास की फिल्म



रिबेल स्टार प्रभास के फैंस के लिए एक गुड न्यूज है. प्रभास की आगामी फिल्म स्पिरिट की नई रिलीज डेट से पर्दा हट गया है. मेकर्स ने स्पिरिट की नई रिलीज डेट का एलान किया है. यह फिल्म रणबीर कपूर और यश की रामायण पार्ट 2 के आमने-सामने आ गई है, जिससे बॉक्स ऑफिस पर एक जोरदार मुकाबला देखने को मिल सकता है.

संदीप रेड्डी वांगा ने फैंस को हिंट दिया कि वह स्पिरिट फिल्म से प्रभास का एक नया लुक और फिल्म की रिलीज डेट सामने लाएंगे. उन्होंने एक्स (पहले ट्विटर) हैंडल पर एक पोस्ट शेयर और लिखा, डियर प्रभास अन्ना के फैंस, मैं एक नया पोस्टर पेश करना चाहता हूं, जिसमें चश्मे के पीछे छिपे प्रभास नजर आ रहे हैं और साथ ही नई रिलीज डेट भी दी गई है. बस कुछ ही मिनट... स्पिरिट - एक बुरी आदत, भारत के सबसे बड़े सुपरस्टार.कुछ मिनट बाद संदीप ने प्रभास का नया पोस्टर साझा करते हुए स्पिरिट की नई रिलीज डेट का एलान किया. पोस्टर में प्रभास ब्लैक सनग्लासेस, मैचिंग कैप और शर्ट में नजर आ रहे हैं. उनका चेहरा पूरा शांत और गंभीर दिखाई दे रहा है.

सिर की मालिश से मिल सकते हैं ये फायदे, जरूर बनाएं इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा

सिर की मालिश एक पुरानी और असरदार तकनीक है, जो न केवल सिर को आराम देती है, बल्कि पूरे शरीर और मन को भी शांत करती है। यह तकनीक तनाव को कम करने, बालों की जड़ों को मजबूत करने और नींद को बेहतर बनाने में मदद करती है। इसके अलावा यह खून के बहाव को बढ़ाती है और सिरदर्द को दूर करती है। आइए जानते हैं कि सिर की मालिश कैसे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर अच्छा असर डालती है।

तनाव कम करने में है सहायक

सिर की मालिश तनाव कम करने में बहुत असरदार है। जब आप अपने सिर की मालिश करते हैं तो आपके दिमाग के तनाव सेंसर सक्रिय होते हैं, जिससे तनाव का स्तर कम होता है।यह प्रक्रिया दिमाग में खुशी देने वाले रसायन का उत्पादन बढ़ाती है, जो आपको खुश और शांत महसूस कराती है।इसके अलावा यह तकनीक मानसिक स्पष्टता और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को भी बढ़ाती है।

नींद में सुधार लाती है

अगर आपको नींद आने में कठिनाई होती है तो सिर की मालिश एक बेहतरीन उपाय हो सकता है।मालिश से सिर की नसें और खून की नलियां खुलती हैं, जिससे आपका दिमाग शांत होता है और नींद अच्छी आती है।मालिश के दौरान सिर की कुछ खास बिंदुओं पर दबाव डालने से आपको गहरी नींद मिलती है, जिससे आप तरोताजा महसूस करते हैं। नियमित रूप से सिर की मालिश करने से नींद की गुणवत्ता में भी सुधार होता है।

बालों की जड़ों को मजबूत करती है

सिर की मालिश बालों की जड़ों को मजबूत करने में मदद करती है। इससे खून का बहाव बेहतर होता है, जिससे बालों के पोषक तत्व अच्छे से मिलते हैं और वे स्वस्थ रहते हैं।मालिश के दौरान इस्तेमाल किए जाने वाले तेल जैसे कि नारियल या बादाम का तेल बालों की जड़ों को पोषण देते हैं और उन्हें मजबूत बनाते हैं।इसके अलावा मालिश से बालों की चमक भी बढ़ती है और वे टूटने से बचते हैं।

सिरदर्द दूर करती है

अगर आपको अक्सर सिरदर्द की समस्या रहती है तो सिर की मालिश एक असरदार उपाय हो सकता है। मालिश से दर्द कम होता है



और आपको आराम मिलता है।मालिश के दौरान सिर की नसें और खून की नलियां खुलती हैं, जिससे दर्द में राहत मिलती है।इसके अलावा मालिश से तनाव कम होता है, जो सिरदर्द का एक बड़ा कारण हो सकता है। नियमित रूप से सिर की मालिश करने से सिरदर्द की समस्या में भी सुधार होता है।

रक्त संचार बढ़ाती है

सिर की मालिश खून के बहाव को बढ़ाने में मदद करती है, जिससे पूरे शरीर को पोषक तत्व मिलते हैं। इससे न केवल आपका मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य पर भी अच्छा असर पड़ता है।कुल मिलाकर सिर की मालिश एक सरल और असरदार तकनीक है, जो हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डालती है। इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करके आप कई लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

सब्जियों को ताजा रखने के लिए अपनाएं ये 5 आसान तरीके



आजकल बाजार में ताजे फल और सब्जियां तो मिल जाती हैं, लेकिन उन्हें घर लाने के बाद कुछ दिनों में ही उनमें सडऩ आने लगती है। ऐसे में हम मजबूरन उन्हें फेंक देते हैं। हालांकि, कुछ आसान तरीके अपनाकर आप सब्जियों को कुछ दिनों तक ताजा रख सकते हैं। आइए जानते हैं कि सब्जियों को ताजा रखने के लिए किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

सब्जियों को धोने के बाद सुखाएं

अगर आप सब्जियों को धोकर उन्हें फ्रिज में रख देते हैं तो ऐसा करने से बचें क्योंकि इससे सब्जियां जल्दी खराब हो सकती हैं।

बेहतर होगा कि आप सब्जियों को धोने के बाद उन्हें कुछ देर धूप में रख दें ताकि उनका सारा पानी सूख जाए।इसके बाद ही सब्जियों को फ्रिज में रखें। इससे उनकी ताजगी बनी रहती है और वे लंबे समय तक खराब नहीं होतीं।

सब्जियों को काटकर फ्रिज में न रखें

अगर आप सब्जियों को काटकर फ्रिज में रख देते हैं तो ऐसा करने से भी बचें। दरअसल, सब्जियां काटने के बाद उनमें खराब होने की प्रक्रिया तेज हो जाती है, जिसके कारण वे जल्द ही खराब हो जाती हैं।इसलिए सब्जियों को हमेशा साबुत ही काटने से पहले धोकर फ्रिज में रखें। इसके अलावा सब्जियों को लंबे समय तक ताजा बनाए रखने के लिए उनके साथ थोड़ा नमक डालकर एक बंद डिब्बे में रखें।

हरी पत्तेदार सब्जियों को ऐसे रखें

हरी पत्तेदार सब्जियों को ताजा बनाए रखने के लिए उन्हें सबसे पहले पानी से धोएं और फिर कपड़े से उनका अतिरिक्त पानी निकालें।अब इन सब्जियों को एक प्लास्टिक बैग में रखें, लेकिन बैग को पूरी तरह से बंद न करें। इससे सब्जियों में नमी बनी रहेगी और वे कुछ दिनों तक ताजा रहेंगी। इस तरह से आप हरी सब्जियों की ताजगी को लंबे समय तक बनाए रख सकते हैं।

टमाटर को ऐसे रखें ताज

सब्जियों के राजा टमाटर में प्राकृतिक रूप से बहुत अधिक एसिड होता है, जो अन्य सब्जियों के खराब होने की प्रक्रिया को तेज कर सकता है।

ऐसे में टमाटर को हमेशा बाकी सब्जियों से अलग रखें। इसके अलावा टमाटर को फ्रिज में रखने की गलती न करें क्योंकि इससे उनका स्वाद बदल सकता है। टमाटर को कमरे के तापमान पर ही रखें ताकि उनकी ताजगी बनी रहे।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, सोमवार 02 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

रूस-चीन मिलकर महायुद्ध का ब्लूप्रिंट कर रहे तैयार, ताइवान फतह की है प्लानिंग

वोल्गोग्राड शहर के पास बने सीक्रेट मिलिट्री ठिकाने से खबर लीक, मचा हड़कंप



वाशिंगटन,(ईएमएस)। रूस के वोल्गोग्राड शहर के पास बने एक सीक्रेट मिलिट्री ठिकाने से ऐसी खबर लीक हो गई जिसने अमेरिका से लेकर पूरे पश्चिमी देशों में हड़कंप मचा दिया। अभी तक दुनिया को यह लग रहा था कि यूक्रेन युद्ध के बीच चीन रूस को ड्रोन इंजन और पुर्जे बेचकर मुनाफा कमा रहा है, लेकिन अब परदे के पीछे असल गेम सामने आया है। खुफिया रिपोर्टों और जानकारों के मुताबिक रूस और चीन मिलकर अगले महायुद्ध का ब्लूप्रिंट तैयार कर रहे हैं और इस ब्लूप्रिंट में सामने आया है कि दोनों देश कैसे तीन वार में अमेरिका को चारों खाने चित करने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट कके मुताबिक वोल्गोग्राड के इस सीक्रेट कैंप में चीन की लाल सेना के फौजी रूस के बैटल-टेस्टेड जनरलों से जंग का असली अनुभव हासिल कर रहे हैं। ताइवान पर कब्जे की तैयारी में जुटा चीन दशकों बाद रूसी तकनीक, खौफनाक मिलिट्री ट्रेनिंग और खुफिया सीक्रेट्स के दम पर खुद को आधुनिक युद्ध के लिए तैयार कर रहा है। साल 1979 के वियतनाम युद्ध के बाद से चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने कोई ढंग की लड़ाई नहीं लड़ी है, लेकिन अब रूसी सेना की उंगली पकड़कर चीनी सैनिक ताइवान फतह करने का खौफनाक पाठ पढ़ रहे हैं। यूरोपीय खुफिया एजेंसियों के हाथ जो रिपोर्ट लगी है, उसने दुनिया को हिलाकर रख दिया है। साल 2024 से ही चीनी सैनिकों का एक खास दस्ता दक्षिण-पश्चिम रूस के वोल्गोग्राड शहर के पास एक गुप्त मिलिट्री कॉम्प्लेक्स में ट्रेनिंग ले रहा है। यह वही खतरनाक बेस है जिसका इस्तेमाल रूस की मशहूर 8वीं आर्मी करती है, वही सेना जिसने पूर्वी यूक्रेन के मोर्चों पर सबसे भीषण खूनखराबा देखा है। यहां चीनी अफसरों को शहरी गुरिल्ला युद्ध, बंकरों को नेस्तनाबूद करना, एंटी-टैंक और एंटी-पर्सनल बारूदी सुरंगों का खतरनाक इस्तेमाल, और दुश्मन के सुरक्षित कंट्रोल रूम को तबाह करने की ट्रेनिंग दी जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन-रूस जंग ने यह साबित कर दिया है कि पुरानी किताबें अब किसी काम की नहीं हैं। चीनी अफसर अच्छी तरह जानते हैं कि अगर ताइवान के समंदर और मैदानों में उतरना है, तो उन रूसी जनरलों से सीखना होगा जो रोज मैदान में गोलियां खा रहे हैं। ताइवान को लेकर अगर कल अमेरिका से सीधी टक्कर होती है, तो समंदर के नीचे का खेल सबसे अहम होगा। चीन को ऐसी न्यूक्लियर सबमरीन चाहिए जो अमेरिकी सोनार की रडार में आए बिना चुपचाप दुश्मन के बेड़े को डुबो सकें। अमेरिकी पैसिफिक कमांड के प्रमुख ने चेतावनी दी है कि रूस अपनी सबसे शांत और घातक 'अकुला-क्लास' पनडुब्बियों की आवाज दबाने वाली तकनीक चीन को ट्रांसफर कर रहा है।



फ्रांस के लिले में विरोध प्रदर्शन के दौरान एक प्रदर्शनकारी पुलिस अधिकारियों से भिड़ गया। इस दौरान हजारों की संख्या में लोग सड़कों पर दिखे।

अगर ईरान जैसे देश मक्का समझौते के मकसद से सहमत, तो रास्ता खुला है

पाक सेना के प्रवक्ता ने कहा- किसी दूसरे देश के शामिल होने पर प्रतिबंध नहीं

इस्लामाबाद। अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण पश्चिम एशिया में तनाव लगातार बढ़ रहा है। ऐसे माहौल में पाकिस्तान ने सऊदी अरब और तुर्की के साथ किए गए अपने मक्का समझौते को लेकर नई महत्वाकांक्षा जाहिर की है। पाकिस्तान इसे नाटो की तर्ज पर एक बड़ा इस्लामिक नाटो बनाना चाहता है। इस समझौते में दूसरे देशों के शामिल होने पर कोई रोक नहीं है यानी अगर ईरान जैसे देश भी इसके मकसद से सहमत हैं, तो उनके लिए भी इसमें शामिल होने का रास्ता खुला है। पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा कि मक्का समझौते में किसी दूसरे देश के शामिल होने पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। अगर आप मक्का समझौते को ध्यान से पढ़ें, तो इसमें किसी के शामिल होने या न होने पर कोई रोक नहीं है। सामूहिक सुरक्षा और क्षेत्रीय शांति की साझा सोच रखने वाले किसी भी देश का स्वागत है। उन्होंने यह भी साफ किया कि समझौते का दायरा बढ़ाने का फैसला पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्की के राजनीतिक नेतृत्व को ही करना होगा। पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्की ने 7 अगस्त को इस समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर इस महीने दूसरी बार तेहरान पहुंचे थे। उनके साथ सऊदी अरब के रक्षा मंत्री और तुर्की की खुफिया एजेंसी के प्रमुख भी थे। पाकिस्तानी सेना ने ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत कराने की अपनी कोशिशों को लेकर उम्मीद जताई है। पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता का कहना है कि अगर पाकिस्तानी सेना प्रमुख दो बार ईरान जा रहे हैं, तो इसके पीछे कुछ सकारात्मक वजह जरूर होगी। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए ये भी कहा कि कुछ ताकतवर पक्ष ऐसे हैं, जो संघर्ष जारी रहने में अपना फायदा देखते हैं, और ऐसे तत्व शांति की कोशिशों में बाधा डाल सकते हैं, जैसा कि जानकारों का मानना है।

सऊदी अरब पर हूती हमलों के बीच अमेरिकी मिशन ने जारी की एडवाइजरी

वाशिंगटन। सऊदी अरब में हो रहे हमलों के मद्देनजर रियाद स्थित अमेरिकी दूतावास ने अपने मिशनों के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। दूतावास ने सभी गैर-आपातकालीन अमेरिकी सरकारी कर्मचारियों और कर्मचारियों के परिवारों को देश छोड़ने का आदेश दिया है। अमेरिकी मिशन की ओर से जारी सुरक्षा चेतावनी में कहा गया है कि हूती विद्रोही सऊदी अरब के खिलाफ हमलों और शत्रुतापूर्ण गतिविधियों में शामिल हैं। इन हमलों में नागरिक हवाई अड्डों और अन्य अहम बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया है। इनके कारण आम नागरिकों की मौत और यात्रा व्यवस्था में गंभीर व्यवधान की घटनाएं हुई हैं। अमेरिकी मिशन ने आशंका जताई है कि मौजूदा शत्रुता तेजी से बढ़ सकती है और इसका प्रभाव संबंधित क्षेत्र से आगे भी फैल सकता है। एडवाइजरी के मुताबिक सऊदी अरब में तैनात अमेरिकी सरकारी कर्मचारियों को हाल में हवाई अड्डों पर हुए मिसाइल और मानवरहित हवाई वाहनों के हमलों के बाद देश के किसी भी हवाई अड्डे का इस्तेमाल करने के लिए मिशन प्रमुख से विशेष अनुमति लेनी होगी। अमेरिका ने अपने नागरिकों को आगाह किया है कि सऊदी अरब के हवाई अड्डों पर हमले, हवाई क्षेत्र बंद होने, उड़ानें रद्द होने और यात्रा में व्यवधान की आशंका बनी हुई है।

जापान में 6.0 तीव्रता का भूकंप, कोई सुनामी चेतावनी नहीं

टोक्यो। जापान में रविवार सुबह 6.0 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के झटके महसूस हुए। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप का केंद्र जापान के शिमा क्षेत्र से करीब 58 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण-पूर्व में था। यह लोकल समयानुसार करीब 3 बजकर 45 मिनट पर आया और इसका उद्गम केंद्र जमीन से करीब 352 किलोमीटर की गहराई में था। इन झटकों को 31 अक्टूबर को 22:15 यूटीसी पर दर्ज किया गया था। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने पुष्टि की कि फुकुशिमा प्रांत के कुछ हिस्सों में भी कंपन महसूस की गई, जहां जापान के सात-स्तरीय भूकंपीय तीव्रता पैमाने पर इसका स्तर 3 दर्ज हुआ।

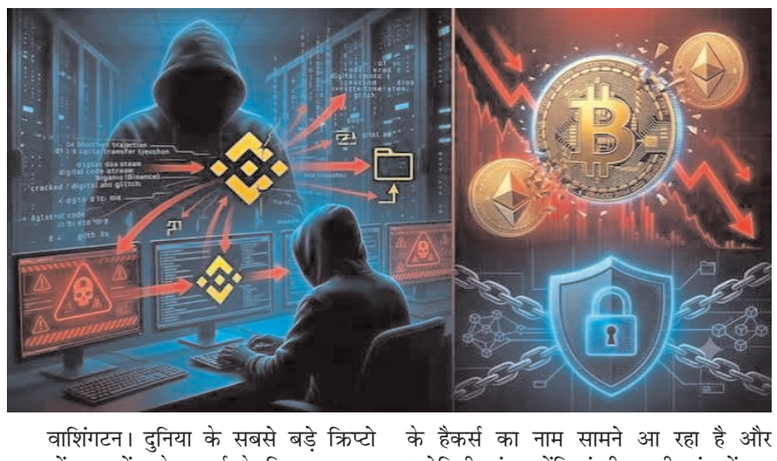
टेक्सास के सीनेट चुनाव में 'डोसा पॉलिटिक्स' ने जीता मतदाताओं का दिल

इरविंग। टेक्सास के सीनेट चुनाव में चुनावी रैलियों और तीखे भाषणों के बीच अमेरिकी सीनेट के डेमोक्रेट उम्मीदवार जेम्स टालारिको ने अपनी राजनीतिक चालों से ज़्यादा अपने कुकिंग स्किल्स और देसी अंदाज से सोशल मीडिया पर हड़कंप मचा दिया है। टेक्सास के इरविंग शहर के एक रेस्टोरेंट में टालारिको ने तवे पर एकदम परफेक्ट और करारा मसाला डोसा बनाकर हर किसी को हैरान कर दिया। यह असल में भारतीयों का दिल जीतने की 'डोसा पॉलिटिक्स' है! यह वीडियो ऐसे समय में सामने आया है जब टेक्सास में दक्षिण एशियाई और भारतीय मूल के मतदाताओं का झुकाव डेमोक्रेट्स की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डेमोक्रेट्स की तरफ से सीनेट चुनाव में उम्मीदवार जेम्स टालारिको अपने सियासी प्रचार के बीच हाल ही में इरविंग के मशहूर रेस्टोरेंट 'मदिरा एन मसाला' पहुंचे। वह सिर्फ खाना खाने नहीं आए थे, बल्कि उन्होंने खुद किचन में जाकर भारतीय व्यंजनों के प्रति अपनी रुचि दिखाई। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में दिख रहा है कि टालारिको कितनी एकाग्रता और गंभीरता के साथ डोसा बना रहे हैं। उनके पास खड़ी एक महिला उन्हें निर्देश दे रही थी कि बैटर को तवे पर कैसे फैलाना है और उसे क्रिस्पी कैसे बनाना है। मजेदार बात यह है कि पहली ही कोशिश में टालारिको ने एक गोल और करारा मसाला डोसा बना दिया। अमेरिका जैसे देश में जहां नेताओं को अक्सर आम जनता से कटे हुए और सख्त मिजाज का माना जाता है, वहां किसी अमेरिकी नेता का भारतीय रसोई में जाकर डोसा बनाना एक बहुत बड़ा 'कल्चरल कनेक्ट' साबित हो रहा है। भारतीय और दक्षिण एशियाई मूल के मतदाताओं के बीच यह वीडियो एक मास्टरस्ट्रोक की तरह काम कर रहा है।

अटलांटा में जी20 वार्ता बेनतीजा: यूक्रेन युद्ध पर मतभेद हावी

अटलांटा। दुनिया की 20 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के समूह जी20 के विदेश मंत्रियों की अटलांटा में दो दिवसीय वार्ता बिना किसी संयुक्त बयान के समाप्त हुई। रूस-यूक्रेन युद्ध पर गहरे मतभेदों के कारण सदस्य देश अहम वैश्विक सुरक्षा मुद्दों पर आम सहमति बनाने में नाकाम रहे। संयुक्त बयान जारी न हो पाने के बाद, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने अध्यक्ष का बयान जारी किया। यह बयान ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा तथा समुद्री मार्गों से आवागमन की स्वतंत्रता जैसी प्राथमिकताओं पर चर्चा का सार था, लेकिन इसमें किसी सहमति या समझौते की जानकारी नहीं दी गई। रुबियो ने स्वीकार किया कि इन समस्याओं के सर्वमान्य समाधान के करीब पहुंचने का दावा नहीं किया जा सकता। हालांकि, उन्होंने उल्लेख किया कि जी20 के कुछ देश आपूर्ति शृंखला और महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में मिलकर काम कर रहे हैं। वार्ता की शुरुआत से ही यूक्रेन युद्ध पर मतभेद स्पष्ट थे। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव की उपस्थिति पर यूरोपीय राजनयिकों की आपत्ति के बाद पारंपरिक समूह तस्वीर रद्द कर दी गई। पोलैंड के विदेश मंत्री रादोस्लाव सिकोरस्की ने कहा कि युद्ध में शामिल देशों के साथ साझा रुख पर सहमति बनाना चुनौतीपूर्ण है।

सबसे बड़ी क्रिप्टो एक्सचेंज बाइनेंस हैकिंग का उत्तर कोरिया पर शक



वाशिंगटन। दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टो एक्सचेंज बाइनेंस के यूजर्स के लिए अचानक मुश्किल खड़ी हो गई। जिस प्लेटफॉर्म पर लोग अपनी डिजिटल कमाई सुरक्षित समझकर रखते थे, उसके डिजिटल वॉलेट में हैकर्स ने सेंध लगा दी। इस हमले में करीब 6 अरब डॉलर की क्रिप्टोकरेंसी चोरी होने का दावा किया गया है, जो भारतीय मुद्रा में करीब 60 हजार करोड़ है। इसे अब तक की सबसे बड़ी क्रिप्टो चोरी माना जा रहा है। घटना के बाद बाइनेंस ने पैसे जमा करने और निकालने की सुविधा अस्थायी रूप से बंद कर दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी का कहना है कि यूजर्स का पैसा सुरक्षित है और चोरी हुई रकम की भरपाई वह अपने फंड से करेगी। इस हैकिंग के पीछे उत्तर कोरिया के हैकर्स का नाम सामने आ रहा है और अमेरिकी जांच एजेंसियां भी इसकी जांच में जुट गई हैं। बाइनेंस ने शुरुआती जांच के आधार पर बताया कि हैकिंग की शुरुआत कंपनी के एक इंजीनियर के लैपटॉप से हुई थी। इसके जरिए हमलावर एक सर्विस कंटेनर तक पहुंचने में कामयाब रहे और फिर पैसे ट्रांजैक्शन किए। कंपनी के मुताबिक जांच जारी है और फिलहाल किसी एक व्यक्ति को हमले के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया गया है। साथ ही ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है जिससे पता चले कि किसी डिजिटल वॉलेट की पर्सनल चाबी लीक हुई थी। कंपनी के सह-सीईओ ने सोशल मीडिया पर कहा कि यह कोई साधारण या एक क्लिक में किया गया हमला नहीं था, बल्कि इसके पीछे कई चरणों वाली जटिल प्रक्रिया थी।

कंपनी ने कहा है कि वह सभी नुकसान की भरपाई अपने फंड और इमरजेंसी एसेट्स फंड से करेगी। बाइनेंस ने साफ कहा कि यूजर्स का पैसा सुरक्षित है। सुरक्षा जांच पूरी करने और चोरी हुई रकम का पता लगाने के लिए कंपनी ने जमा और निकासी की सुविधा अस्थायी रूप से रोक दी है। कंपनी को उम्मीद है कि रविवार सुबह तक निकासी की सुविधा फिर शुरू हो जाएगी। जानकारों और कई क्रिप्टो जांच कंपनियों ने इस हमले के पीछे उत्तर कोरिया के हैकिंग समूहों का हाथ होने की आशंका जताई है। उनका कहना है कि हमले का तरीका उत्तर कोरिया से जुड़े पहले के कई साइबर हमलों से मिलता-जुलता है। विशेषज्ञों के मुताबिक चोरी की रकम को नकदी में बदलने के लिए उत्तर कोरिया से जुड़े हैकर्स मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क की मदद ले सकते हैं। अमेरिकी जांच एजेंसियों ने भी मामले पर नजर रख रही हैं। एफबीआई ने कहा कि उसे घटना की जानकारी है और वह सरकारी व प्राइवेट क्षेत्र से जुड़े संगठनों के साथ मिलकर पता लगा रही है कि हमला कितना बड़ा था और नुकसान कितना हुआ। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने बताया कि उसके जांचकर्ता निजी कंपनियों के साथ मिलकर चोरी हुई रकम की पहचान, उसे फ्रीज करने और वापस लाने की कोशिश कर रहे हैं।

हूतियों ने राष्ट्रपति भवन और एयरपोर्ट पर दागीं बैलिस्टिक मिसाइलें

सना। यमन में हूती विद्रोहियों ने शुक्रवार को अदन स्थित राष्ट्रपति भवन पर दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इसके अलावा अदन एयरपोर्ट को भी निशाना बनाया गया। हमलों में किसी के हताहत होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि, मीडिया रिपोर्टों के अनुसार राष्ट्रपति भवन की ओर एंबुलेंस जाते देखी गईं। यमन सरकार के सैन्य प्रवक्ता ने मिसाइल हमलों की जानकारी दी। राष्ट्रपति भवन पर 15 दिनों के भीतर यह दूसरा हमला है। इससे पहले 15 अक्टूबर को हुए हमले में चार लोगों की मौत हुई थी। वहीं, 28 अक्टूबर को भी हूतियों ने अदन एयरपोर्ट को निशाना बनाया था। हमले से पहले लोगों को इलाका खाली करने की चेतावनी दी गई थी। यह एयरपोर्ट दक्षिणी यमन में राहत सामग्री और मानवीय सहायता पहुंचाने का महत्वपूर्ण रास्ता है। मदीना के ऊपर ड्रोन मार गिराने का दावा इसी बीच सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने दावा किया कि उसने शुक्रवार को मदीना के ऊपर एक ड्रोन को मार गिराया। इससे पहले मक्का की ओर बढ़ रहे एक अन्य ड्रोन को भी नष्ट करने की जानकारी दी गई थी।

संक्षिप्त समाचार

इटली के 40 से ज्यादा शहरों में छात्र, मजदूर और ट्रेड यूनियनों का प्रदर्शन

रोम। इटली में बढ़ती महंगाई, महंगे मकान किराये और शिक्षा बजट में कटौती के खिलाफ जनता का गुस्सा स?कों पर आ गया है। देश के 40 से ज्यादा शहरों में हजारों छात्र, मजदूर और ट्रेड यूनियन के सदस्य स?कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी अच्छा वेतन, सार्वजनिक सुविधाओं में सुधार और आम जनता को राहत देने की मांग कर रहे हैं। इसके साथ ही वे पीएम जॉर्जिया मेलोनी की सरकार द्वारा सैन्य खर्च बढ़ाए जाने की नीति का भी कड़ा विरोध कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह देशव्यापी विरोध प्रदर्शन एक प्रमुख ट्रेड यूनियन द्वारा बुलाई गई 24 घंटे की हड़ताल का हिस्सा था। रोम, ट्यूरिन, मिलान और जेनोआ जैसे बड़े शहरों में विशाल जुलूस निकाले गए। ज्यादातर स्थानों पर प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे, लेकिन ट्यूरिन और रोम में प्रदर्शनकारियों ने जब संसद और सरकारी इमारतों की ओर बढ़ने की कोशिश की तो पुलिस के साथ झड़प हो गई। पुलिस ने वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया और कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। इस आंदोलन में छात्रों की बहुत बड़ी भागीदारी देखी जा रही है। रोम में प्रदर्शन कर रहे छात्रों का कहना है कि उच्च शिक्षा की फीस और कमरों का किराया इतना बढ़ गया है कि सामान्य परिवारों के लिए पढ़ाई का खर्च उठाना असंभव है। रोम में एक कमरे का किराया 1,200 यूरो तक पहुंच गया है। इसके अलावा जेनोआ बंदरगाह पर करीब 15 हजार कर्मचारियों और छात्रों ने एकत्र होकर युद्धग्रस्त क्षेत्रों में हथियार भेजने के लिए व्यापारिक बंदरगाहों के इस्तेमाल पर रोक लगाने की मांग की। बढ़ते जनआक्रोश को देखते हुए सरकार पर दबाव बढ़ गया है।

गंगा जल बंटवारे को लेकर भारत के साथ एक निष्पक्ष समझौता करें

ढाका। बांग्लादेश के विपक्षी नेता नाहिद इस्लाम ने अपने देश से होकर भारतीय ट्रांजिट कॉरिडोर बनाने के किसी भी कदम के खिलाफ कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने दिसंबर में गंगा संधि के खत्म होने से पहले नई दिल्ली के साथ पानी के बंटवारे को लेकर एक निष्पक्ष समझौता करने की मांग की है। ढाका में रैली के दौरान नेशनल सिटीजन पार्टी के नेता ने रहमान सरकार पर कॉरिडोर बनाने में मदद करने की कोशिश का आरोप लगाया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नाहिद इस्लाम ने चेतावनी दी है कि अगर गंगा जल-बंटवारा समझौता ऐसी शर्तों के साथ रिन्यू नहीं किया गया, जिससे नदी के पानी में बांग्लादेश का हिस्सा सुरक्षित रहे, तो वे नए सिरे से विरोध-प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि जापान एक बार फिर बांग्लादेश के रास्ते एक कॉरिडोर बनाने की कोशिश कर रहा है। सरकार इस अवैध कॉरिडोर को भारत को सौंपने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि पीएम तारिक रहमान, हम साफ तौर पर कहना चाहते हैं कि बांग्लादेश की जनता ऐसे किसी भी अवैध कॉरिडोर को स्वीकार नहीं करेगी। बता दें बांग्लादेश के पीएम तारिक रहमान ने 26 से 29 अक्टूबर तक जापान का दौरा किया था। इस दौरान दोनों देश अपने बे ऑफ बंगाल इंडस्ट्रियल ग्रोथ बेल्ट पहल को एक नई रणनीतिक सहयोग पहल में बदलने पर सहमत हुए। इसका मुख्य फोकस कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने, प्राकृतिक आपदाओं और भू-राजनीतिक जोखिमों के लिए तैयारी करने, आर्थिक विकास के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा देने और शांति व स्थिरता के लिए मिलकर काम करने पर होगा। बांग्लादेश के विदेश राज्यमंत्री हुमायूं कबीर ने कहा है कि पीएम रहमान की जापान यात्रा के दौरान किसी तीसरे देश से जुड़े मुद्दे पर कोई चर्चा नहीं हुई। उन्होंने कहा कि हमने बिल्कुल स्पष्ट कर दिया था। किसी तीसरे देश का कोई जिक्र नहीं हुआ।

नई सरकार के गठन को लेकर राजनीतिक अनिश्चितता जारी

तेलअवीव। इजरायल की राजनीति इस समय अत्यधिक अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है, क्योंकि हाल ही में संपन्न हुए नेसेट चुनाव के नतीजों में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। तेल अवीव की सड़कों पर हजारों लोग यहूदी-अरब साझेदारी वाली सरकार बनाने के समर्थन में उतर आए हैं, जिससे देश में नए राजनीतिक समीकरणों की चर्चा तेज हो गई है। 120 सदस्यीय नेसेट में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के गठबंधन ब्लॉक को 53 सीटें मिली हैं, जबकि उनके विरोधियों को कुल 67 सीटें हासिल हुई हैं। हालांकि, इन आंकड़ों के बावजूद व्यावहारिक रूप से सरकार का गठन करना बेहद कठिन साबित हो रहा है। चुनावी नतीजों के अनुसार, नेतन्याहू के विरोधियों में यहूदी पार्टियों को 48 और अरब पार्टियों को ऐतिहासिक रूप से 19 सीटें मिली हैं। सैद्धांतिक रूप से विपक्षी यहूदी और अरब दल मिलकर 67 का जादुई आंकड़ा पार कर सकते हैं, लेकिन सुरक्षा और वैचारिक मतभेदों के चलते अधिकांश यहूदी विपक्षी दल अरब पार्टियों के साथ गठबंधन करने से हिचक रहे हैं। दूसरी ओर, नेतन्याहू के पास भी बहुमत के लिए आवश्यक 61 सीटों का जादुई आंकड़ा नहीं है। इसी गतिरोध के बीच वामपंथी संगठनों के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने नस्लवाद समाप्त कर समानता के आधार पर साझा सरकार बनाने की मांग को लेकर रैलियां निकाली हैं, जबकि इसके विरोध में एक छोटा दक्षिणपंथी प्रदर्शन भी देखा गया है। इस राजनीतिक उठापटक के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर क्षेत्रीय सुरक्षा और रणनीतिक मुद्दों को लेकर चर्चा की है। नेतन्याहू की पार्टी लिकुड ने विरोधी गुटों पर चुनाव प्रक्रिया के दौरान धांधली के गंभीर आरोप भी लगाए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार अरब पार्टियों की 19 सीटें चुनाव परिणामों में निर्णायक भूमिका निभा रही हैं।

वॉल स्ट्रीट जर्नल और रूपर्ट मर्डोक के खिलाफ मानहानि का मुकदमा खारिज

मियामी। एक संघीय जज ने शनिवार को डोनाल्ड ट्रंप द्वारा वॉल स्ट्रीट जर्नल और मीडिया मुगल रूपर्ट मर्डोक के खिलाफ दायर 10 अरब डॉलर का मुकदमा खारिज कर दिया। जज ने कहा कि ट्रंप कमजोर आधार पर यह मुकदमा लड़ रहे थे। यह मामला जेफ्री एपस्टीन के साथ ट्रंप के संबंधों पर छपी एक रिपोर्ट से जुड़ा था। मियामी में अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट जज ने इस मुकदमे को स्थायी रूप से खारिज कर दिया। जज ने कहा कि ट्रंप यह साबित नहीं कर पाए कि प्रतिवादियों ने कानून के मुताबिक दुर्भावनापूर्ण इरादे से उनके खिलाफ मानहानिकारक बयान दिए थे। फैसले में कहा गया है कि इस मुकदमे के जरिए वॉल स्ट्रीट जर्नल की खोजी पत्रकारिता में जानबूझकर कमियां निकालने की कोशिश की गई थी। जब कोई मुकदमा स्थायी रूप से खारिज कर दिया जाता है, तो उसे दोबारा दायर नहीं किया जा सकता, यह फैसला अंतिम और अटल होता है। यह फैसला ट्रंप और उनके प्रशासन के लिए एक बड़ा झटका है जिन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल में समाचार संगठनों के साथ टकराव का रुख अपनाया है। ट्रंप अक्सर उन मीडिया संस्थानों की आलोचना करते हैं जो उन्हें पसंद न आने वाली बातें लिखते हैं। वे अक्सर इन्हें फेक न्यूज कहते हैं और इनके पत्रकारों का अपमान भी करते हैं। व्हाइट हाउस ने इस फैसले पर तुरंत कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी। वॉल स्ट्रीट जर्नल के खिलाफ यह मुकदमा पिछले साल छपी एक रिपोर्ट को लेकर था। इस रिपोर्ट में एक यौन-संकेत वाले पत्र और एक चित्र का जिक्र था, जिस पर कथित तौर पर ट्रंप का नाम लिखा था। यह सामग्री 2003 में एपस्टीन के 50वें जन्मदिन के लिए तैयार किए गए एक एल्बम में शामिल थी। बताया जाता है कि यह पत्र ब्रिटिश सोशलाइट घिसलेन मैक्सवेल ने एपस्टीन के जन्मदिन के एल्बम के लिए इकट्ठा किया था। यह घटना एपस्टीन की 2006 में हुई पहली गिरफ्तारी और उसके बाद ट्रंप के साथ उनके रिश्ते खराब होने से कई साल पहले की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प के नाम वाले इस पत्र में एक नग्न महिला की हाथ से बनी आकृति के भीतर कुछ लिखा गया है।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, सोमवार 02 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

ऋषभ न्यूजीलैंड ए के खिलाफ तीसरे अनौपचारिक टेस्ट से भी बाहर हुए



ऑकलैंड। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत न्यूजीलैंड ए के खिलाफ तीसरे अनौपचारिक टेस्ट से बाहर हो गये हैं। ये ऋषभ के लिए एक बड़ा झटका है। इससे उनके टेस्ट क्रिकेट में वापसी भी टल सकती है। ऋषभ हालांकि चोट से उबर गये हैं पर इसके बाद भी टीम प्रबंधन ने जोखित न लेते हुए उन्हें बाहर रखने का फैसला किया है। हालांकि अब वह दर्द महसूस नहीं कर रहे हैं और उन्होंने अभ्यास भी शुरू कर दिया है, लेकिन टीम प्रबंधन उनकी वापसी में कोई जल्दबाजी नहीं चाहता। मैदान पर वापसी से पहले एक उन्हें एक कठोर फिटनेस टेस्ट पास करना अनिवार्य होगा। वह इससे पहले भी न्यूजीलैंड ए के खिलाफ हुए पहले दो मैचों में चोट के कारण नहीं खेल पाए थे। अब उन्हें लिंकन में 7 से 10 नवंबर तक होने वाले तीसरे और अंतिम अनौपचारिक टेस्ट से भी बाहर रखा गया है। पहले यह उम्मीद जताई जा रही थी कि वह इस मुकाबले में वापसी कर सकते हैं, लेकिन टीम प्रबंधन और मेडिकल स्टाफ ने अब उन्हें पूरी तरह से फिट होने और समय देने का फैसला किया है। गौरतलब है कि पिछले महीने श्रीनगर में ईरानी कप में शेष भारत की कप्तानी के दौरान चोटिल होने के बाद से ही अब पूरी तरह से फिट नहीं हो पाए है। राहत की बात है कि उन्हें अब दर्द नहीं है और उन्होंने बल्लेबाजी व विकेटकीपिंग का अभ्यास भी शुरू कर दिया है। उनकी फिटनेस पर भारतीय क्रिकेट टीम के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (एनसीए) में विशेष नजर रखी जा रही है। मैदान पर वापसी करने से पहले उन्हें कम से कम तीन से चार गहन अभ्यास सत्र पूरे करने होंगे। इन सत्रों में उनकी शारीरिक स्थिति, मैदान पर उनकी गतिशीलता, बल्लेबाजी की क्षमता और विकेटकीपिंग कौशल का विस्तृत आंकलन होगा।

टीम प्रबंधन और मेडिकल स्टाफ की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि खिलाड़ी पूरी तरह से फिट होकर ही वापसी करे, ताकि भविष्य में दोबारा चोटिल होने का कोई जोखिम न रहे। यह घटनाक्रम भारत और न्यूजीलैंड के बीच 19 नवंबर से वेलिंगटन में शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज से ठीक पहले आया है। ऐसे में पंत की टेस्ट सीरीज में उपलब्धता को लेकर संदेह बरकरार है। ऐसे में उनकी अनुपस्थिति में, युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। क्राइस्टचर्च में खेले जा रहे दूसरे अनौपचारिक टेस्ट की पहली पारी में शतक जड़कर उन्होंने चयनकर्ताओं के सामने अपनी मजबूत दावेदारी पेश की है। अब ऋषभ की फिटनेस, आगामी अभ्यास सत्रों में उनके प्रदर्शन और मेडिकल टीम की हरी झंडी के आधार पर ही यह तय होगा कि उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ बहुप्रतीक्षित टेस्ट सीरीज में कब और कैसे वापसी का मौका मिलता है।

न्यूजीलैंड ने पांचवें टी20 को सात विकेट से जीता, भारतीय टीम ने 3-2 से सीरीज जीती

हैमिल्टन। टिम सीफर्ट 93 और ग्लेन फिलिप्स 55 रनों की शानदार पारियों से न्यूजीलैंड ने भारतीय क्रिकेट टीम को पांचवे और अंतिम टी20 क्रिकेट मुकाबले में 7 विकेट से हरा दिया। भारतीय टीम ने हालांकि शुरुआती तीन मैच जीतकर सीरीज 3-2 से जीती। अंतिम मैच बेहद रोमांच रहा मेजबान की कीवी टीम ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारतीय टीम ने 20 ओवरों में 8 विकेट पर 191 रन बनाये। इस प्रकार मेजबान टीम को जीत के लिए 192 रनों का लक्ष्य मिला जो उसने 18 ओवर में ही तीन विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। 192 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने शुरू से ही आक्रामक रुख अपनाया। सलामी बल्लेबाज सीफर्ट ने भारतीय तेजी से खेलते हुए मात्र 50 गेंदों पर 93 रनों की पारी खेली। इसके अलावा फिलिप्स ने भी शानदार बल्लेबाजी करते हुए 32 गेंदों पर नाबाद 55 रन बनाए। फिलिप्स ने अपने अर्धशतक के साथ न्यूजीलैंड की जीत को लगभग सुनिश्चित कर दिया। इन दोनों की तूफानी पारियों की बदौलत न्यूजीलैंड ने महज 18 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया, जिससे उनकी प्रभावशाली जीत स्पष्ट हुई। वहीं इससे पहले, न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही, जब संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा सस्ते में पवेलियन लौट गए। शुरुआती झटकों के बाद ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने पारी को संभाला और तेजी से रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच 43 गेंदों पर 93 रनों की अहम साझेदारी हुई, जिसने टीम को संकट से उबारकर सम्मानजक स्कोर तक पहुंचाया। ईशान किशन ने 32 गेंदों पर 61 रनों की आकर्षक पारी खेली, जबकि कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी शानदार अर्धशतक जड़कर टीम को एक मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। भारत ने निर्धारित 20 ओवर में 191 रन बनाए, जिसमें 8 विकेट गिरे।

रबाडा अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में 600 विकेट पूरे करने वाले पांचवे दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज बने

केपटाउन। दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ केपटाउन में हुए तीसरे टेस्ट में अपनी शानदार गेंदबाजी से टीम को जीत दिलाने के दौरान ही एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम किया है। इस मैच में रबाडा ने अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में 600 विकेट पूरे किये। इसी के साथ ही ये उपलब्धि हासिल करने वाले वह दक्षिण अफ्रीका के पांचवें गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने इसके साथ ही टेस्ट क्रिकेट में भी 350 विकेट का आंकड़ा पार कर लिया है। रबाडा के नाम 260 अंतरराष्ट्रीय मैचों में अब 601 विकेट दर्ज हो गए हैं। इस खास उपलब्धि को हासिल करने वाले वह दक्षिण अफ्रीका के पांचवें गेंदबाज हैं। उनसे पहले उपलब्धि शॉन पोलक (823 विकेट), डेल स्टेन (697 विकेट), मखाया एंटिनी (661 विकेट) और एलन डोनाल्ड (602 विकेट) जैसे दिग्गजों ने हासिल की थी। रबाडा अब इन महान गेंदबाजों के क्लब में शामिल हो गए हैं, जो उनकी निरंतरता और प्रभावी प्रदर्शन का प्रमाण है।गौरतलब है कि टेस्ट क्रिकेट में 350 विकेट का आंकड़ा पार करते हुए, रबाडा ने सिर्फ 75 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की, जिससे वह संयुक्त रूप से तीसरे सबसे तेज तेज गेंदबाज बन गए। हालांकि, सबसे प्रभावशाली बात यह है कि उन्होंने यह मुकाम केवल 13,808 गेंदें फेंककर हासिल किया है, जो गेंदों के आधार पर 350 टेस्ट विकेट लेने का सबसे तेज रिकॉर्ड है। इस मामले में उन्होंने डेल स्टेन और वकार यूनिस जैसे महान तेज गेंदबाजों को भी पीछे छोड़ दिया है। रबाडा ने मैथ्यू रेनशॉ, मार्नस लाबुशेन और ट्रेविस हेड के महत्वपूर्ण विकेट लिए। ट्रेविस हेड का विकेट लेते ही उनके 350 टेस्ट विकेट भी पूरे हो गए, जो उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि के साथ-साथ टीम के लिए भी महत्वपूर्ण था।

भारतीय पुरुष और महिला टीम ने राष्ट्रमण्डल कबड्डी चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतकर बनाया रिकार्ड

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष और महिला टीम ने हाल में हुई राष्ट्रमण्डल कबड्डी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। भारतीय पुरुष टीम ने फाइनल में श्रीलंका को 54-20 से जबकि महिला टीम ने युगांडा को 35-15 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम कियो। इस उद्घाटन संस्करण में दोनों स्वर्ण पदक जीतकर भारत ने इस खेल में अपना दबदबा दिखाया है। सुरजीत सिंह की कप्तानी में भारतीय पुरुष टीम ने टूर्नामेंट में अपने सभी मैच जीते। श्रीलंका के खिलाफ खिताबी मुकाबले में टीम ने शुरुआत से ही बढ़त बना ली। वह पहले हाफ में 15-2 से आगे हो गयी। उसने पहले 20 मिनट में ही 20 अंकों की विशाल लीड बना ली थी। वहीं श्रीलंकाई टीम भारतीय खिलाड़ियों के सामने टिक नहीं पायी। भारतीय टीम की ओर से ज्यादा अंक आदित्य शिंदे ने बटोरे, उन्होंन कुल 10 अंक हासिल किए। उनके अलावा, भरत हुड्डा और पंकज मोहिते ने 8 और 6 अंक बटोरकर टीम की जीत में अहम योगदान दिया। वहीं रक्षा पंक्त में योगेश दहिया ने कुल 5 अंक हासिल कर विरोधी टीम को अंक बटोरने से रोका। इस शानदार जीत के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने तिरंगे के साथ लैप ऑफ ऑनर कर अपनी खुशी व्यक्त की। वहीं भारतीय महिला टीम का प्रदर्शन भी कुछ कम नहीं रहा। उन्होंने फाइनल में युगांडा को 35-15 से हराया और स्वर्ण पदक जीता। भारतीय महिला टीम शुरुआत से ही युगांडा पर हावी रही, जिससे उन्हें अंत तक अपनी बढ़त बनाए रखने में मदद मिली। साक्षी ने टीम के लिए सबसे अधिक 9 अंक (10 प्रयासों में) हासिल किए, जो उनकी शानदार रेडिंग क्षमता को दर्शाता है। वहीं अनु सेन ने भी 6 रेड अंक के साथ महत्वपूर्ण योगदान दिया, जबकि निधि शर्मा ने बोनस पॉइंट्स के माध्यम से यूगांडा टीम पर दबाव बनाए रखा। भारतीय महिला टीम ने कुल 20 रेड और 10 टैकल अंक हासिल किए, जो उनकी संतुलित और आक्रामक खेल शैली का प्रमाण है। यह पहली चैंपियनशिप थी, जिसमें दोनों स्वर्ण पदक जीतकर भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी शक्ति दिखायी है।

फखर और अराफात की अच्छी बल्लेबाजी से पाकिस्तान ने श्रीलंका को हराकर त्रिकोणीय एकदिवसीय सीरीज जीती

लाहौर। फखर जमां के शतक और अराफात मिन्हास की आक्रामक पारी से पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने एकदिवसीय त्रिकोणीय सीरीज के खिताबी मुकाबले में श्रीलंकाइ टीम को तीन विकेट से हरा दिया। श्रीलंकाई टीम ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 325 रन बनाए थे। इसके बाद पाक टीम ने फखर और और अराफात मिन्हास की अच्छी बल्लेबाजी से जीत के लिए मिले लक्ष्य को 48 ओवर और तीन गेंदों में आसानी से हासिल कर लिया। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंकाई टीम की शुरुआत अच्छी रही। अविष्का फर्नांडो और कामिंदु मेंडिस ने तेज शुरुआत की पर ये जोड़ी लंबी साझेदारी नहीं कर पायी। फर्नांडो 38 रन बनाकर सलमान आगा का शिकार बने। इसके बाद कुसल मेंडिस भी पेविलयन लौट गये। इस समय टीम का स्कोर 109 रन था। इसके बाद कामिंदु मेंडिस और पवन रत्नायके ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए पारी को संभाला। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 146 रनों की अहम साझेदारी हुई। मेंडिस ने अपने एकदिवसीय करियर का पहला शतक लगाते हुए 131 रन बनाए। वहीं, पवन रत्नायके ने 77 रन बनाये। अंतिम ओवरों में पाकिस्तान के गेंदबाजों ने लंकाई बल्लेबाजो को तेजी से रन बनाने का अवसर नहीं दिया। शाहीन अफरीदी, हारिस रऊफ और नसीम शाह ने लगाकर विकेट लेकर लंकाई पारी को समेट दिया। इस प्रकार लंकाई टीम निर्धारित 50 ओवरों में आठ विकेट पर 325 रन ही बना पायी। इसके बाद जीत के लिए मिले 326 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। दिलशान मदुशंका ने शुरुआती ओवरों में माज सदाकत और बाबर आजम को आउट कर पाकिस्तान को शुरुआती झटका दिया पर इसके बाद फखर जमां और साद बैग ने अच्छी साझेदारी करपारी संभाली। साद बैग ने 74 रन बनाए, जबकि फखर जमां ने 99 गेंदों में 127 रन की मैच विजेता पारी खेली। अंतिम ओवरों में अराफात मिन्हास ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए केवल 28 गेंदों में अर्धशतक लगाकर पाक टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया।



विएना में एटीपी ओपन टेनिस में खेलते हुए स्पेन के कार्लोस अल्कारेज।

व्यापार समाचार

संक्षिप्त समाचार

महिंद्रा की बिक्री नौ प्रतिशत बढ़कर 1,31,109 इकाई के रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड की कुल वाहन बिक्री अक्टूबर में सालाना आधार पर नौ प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 1,31,109 इकाई पर पहुंच गई। कंपनी ने रविवार को यह जानकारी दी। कंपनी के मुताबिक अक्टूबर में निर्यात सहित कुल बिक्री में वृद्धि दर्ज की गई। इस दौरान निर्यात 77 प्रतिशत बढ़कर 7,102 इकाई रहा। घरेलू यात्री वाहन बिक्री दो प्रतिशत बढ़कर 73,338 इकाई हो गई, जबकि वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री चार प्रतिशत की वृद्धि के साथ 33,037 इकाई रही। कंपनी के एक अ?धिकारी ने कहा ?कि अक्टूबर में कंपनी की एसयूवी बिक्री 73,338 इकाई और कुल वाहन बिक्री 1,31,109 इकाई रही, जो किसी भी महीने में अब तक का सर्वोच्च स्तर है। उन्होंने कहा कि त्योहारी मौसम और नए सिरे से पेश किए गए उत्पादों की वजह से एसयूवी, पिकअप और तिपहिया वाहनों की मांग मजबूत बनी रही। कंपनी के पहले सीएनजी वाहन एक्सयूवी 3एक्सओ जेडएनजी को भी ग्राहकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। वाणिज्यिक वाहन श्रेणी में इलेक्ट्रिक वाहन सहित तिपहिया वाहनों की बिक्री 38 प्रतिशत बढ़कर 17,632 इकाई हो गई। वहीं, दो से 3.5 टन क्षमता वाले हल्के वाणिज्यिक वाहनों (एलसीवी) की बिक्री पांच प्रतिशत बढ़कर 28,654 इकाई रही। हालांकि, दो टन से कम क्षमता वाले हल्के वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री चार प्रतिशत घटकर 4,383 इकाई रह गई।

लोढ़ा डेवलपर्स गुरुग्राम के गोल्फ कोर्स में कार्यालय परिसर बनाएगी

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की कंपनी लोढ़ा डेवलपर्स ने दिल्ली-एनसीआर के संपत्ति बाजार में कदम रखते हुए गुरुग्राम के गोल्फ कोर्स रोड पर करीब 1,200 करोड़ रुपये के निवेश से प्रीमियम कार्यालय परिसर विकसित करने की योजना बनाई है। मुंबई मुख्यालय वाली कंपनी की यह एनसीआर में पहली परियोजना होगी। पिछले साल लोढ़ा डेवलपर्स ने गुरुग्राम में दो परियोजनाओं के लिए एमआरजी समूह के साथ संयुक्त विकास करार किया था। इनमें से एक परियोजना वाणिज्यिक और एक आवासीय है। लोढ़ा डेवलपर्स के एक अ?धिकारी ने बताया कि कंपनी ने हाल में 1.2 एकड़ में फैली अपनी वाणिज्यिक परियोजना लोढ़ा पैंथियन पेश की है। इसमें 27 मंजिलों में कुल चार लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य क्षेत्र होगा। परियोजना की अनुमानित लागत 1,100 से 1,200 करोड़ रुपये है। कंपनी इस ग्रेड ए प्लस प्लस वाणिज्यिक परियोजना में कार्यालय स्थल बेचेगी।मोदी के मुताबिक, गुरुग्राम में प्रीमियम कार्यालय स्थल की अच्छी मांग है। कई कारोबारी समूह लंबे समय तक किराये पर कार्यालय लेने के बजाय खुद की व्यावसायिक संपत्ति खरीदने में रुचि दिखा रहे हैं। कंपनी चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में गुरुग्राम के सोहना रोड पर आवासीय परियोजना भी पेश करने की तैयारी कर रही है। इन दोनों परियोजनाओं के जरिये कंपनी दिल्ली-एनसीआर के बाजार को समझने के बाद बड़े स्तर पर विस्तार की रणनीति बनाएगी। इस बीच, लोढ़ा डेवलपर्स ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 5,037 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग दर्ज की, जो पिछले साल की समान अवधि से 10 प्रतिशत अधिक है। पहली छमाही में बिक्री बुकिंग सात प्रतिशत बढ़कर 9,670 करोड़ रुपये रही। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026-27 में 24,000 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग का लक्ष्य रखा है। दूसरी तिमाही में कंपनी का शुद्ध मुनाफा 28 प्रतिशत बढ़कर 1,013.5 करोड़ रुपये पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 789.8 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया था।तिमाही के दौरान कंपनी की कुल आय बढ़कर 4,584.9 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 3,878.9 करोड़ रुपये रही थी।

तिमाही नतीजे, आर्थिक आंकड़े और वैश्विक संकेत तय करेंगे नई दिशा

निवेशकों की नजर अब ऑटो बिक्री, पीएमआई और दिग्गज कंपनियों के आय पर



मुंबई। भारतीय शेयर बाजार के लिए यह हफ्ता बेहद महत्वपूर्ण साबित होने वाला है। पिछले हफ्ते की जोरदार तेजी के बाद अब निवेशकों की निगाहें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक आंकड़ों, कंपनियों के तिमाही नतीजों और वैश्विक घटनाक्रमों पर टिकी रहेंगी। ये सभी कारक बाजार की आगे की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। आने वाले हफ्ते में ऑटो कंपनियों के अक्टूबर महीने के बिक्री आंकड़े और मैन्युफैक्चरिंग तथा सर्विसेज पीएमआई रिपोर्ट्स जारी होंगी। इसके साथ ही आईटीसी, मैरिको, पेट्रोनेट एलएनजी, अपोलो हॉस्पिटल्स, बीएसई, डाबर, एलआईसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और हिंडाल्को जैसी नौ दिग्गज कंपनियां अपने दूसरी तिमाही के वित्तीय परिणाम घोषित करेंगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका में मिडटर्म चुनाव, रोजगार के आंकड़े और एप्पल व एएमडी जैसी बड़ी कंपनियों के नतीजे भी बाजार को प्रभावित करेंगे। बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार ने शानदार वापसी करते हुए जबरदस्त बढ़त दर्ज की। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों को स्थिर रखने, कंपनियों के बेहतर तिमाही नतीजों और फार्मा व आईटी शेयरों में आई मजबूत खरीदारी ने बाजार के उत्साह को बढ़ाया। सेक्टरवार प्रदर्शन में फार्मा और हेल्थकेयर में 7 फीसदी तक की जोरदार तेजी देखने को मिली, जबकि मीडिया, कैपिटल मार्केट्स और रियल्टी ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। संस्थागत निवेशकों के मोर्चे पर, अक्टूबर में विदेशी निवेशकों ने 45,161 करोड़ रुपये के शेयरों की भारी बिकवाली की। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 62,220 करोड़ रुपये की मजबूत खरीदारी कर बाजार को सहारा दिया, जिससे एफआईआई की बिकवाली का असर काफी हद तक संतुलित रहा। हालांकि, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और मध्य पूर्व का तनाव चिंता का विषय बना हुआ है, जिसका सीधा असर भारत के आयात बिल और महंगाई पर पड़ सकता है। शुक्रवार को अमेरिकी बाजारों में नैस्डैक और एसएंडपी में आई गिरावट भी अगले हफ्ते घरेलू बाजार पर दबाव डाल सकती है। तकनीकी स्तर पर, निफ्टी के लिए 23,150 से 23,160 का स्तर बड़ा रेजिस्टेंस है, जिसके पार जाने पर 23,500 तक की तेजी संभव है, जबकि नीचे 22,845 अहम सपोर्ट रहेगा। निवेशकों को आगामी हफ्तों में घोषित होने वाले आर्थिक आंकड़ों और वैश्विक संकेतों पर पैनी नजर बनाए रखने की सलाह दी गई है।

उत्तर प्रदेश में सीएनजी महंगी, लखनऊ से उन्नाव तक नई दरें लागू

लखनऊ। बढ़ती लागत और वैश्विक आपूर्ति संकट के बीच ग्रीन गैस लिमिटेड ने एक नवंबर से उत्तर प्रदेश में सीएनजी की कीमतें बढ़ा दी गई है। अलग-अलग शहरों में कीमतों में एक रुपये से लेकर 2.25 रुपये प्रति किलोग्राम तक की बढ़ोतरी की गई है। इससे वाहन चालकों के ईंधन खर्च में इजाफा होगा। नई दरों के अनुसार, राजधानी लखनऊ में सीएनजी की कीमत 107 रुपये से बढ़कर 108 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। आगरा में भी एक रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की गई है। अयोध्या और सुल्तानपुर में सीएनजी एक रुपये महंगी हुई है। इन दोनों शहरों में अब एक किलोग्राम सीएनजी की कीमत 106 रुपये हो गई है। सबसे ज्यादा बढ़ोतरी उन्नाव में की गई है। यहां सीएनजी की कीमत में 2.25 रुपये प्रति किलोग्राम का इजाफा हुआ है। नई दर लागू होने के बाद उन्नाव में एक किलोग्राम सीएनजी अब 106 रुपये में मिलेगी। कीमतों में बदलाव से निजी वाहन चालकों के साथ-साथ सीएनजी से चलने वाले व्यावसायिक वाहनों का खर्च भी बढ़ सकता है। ग्रीन गैस लिमिटेड का कहना है कि वैश्विक स्तर पर गैस की आपूर्ति में संकट और लागत में वृद्धि के कारण कीमतों में संशोधन किया गया है। कंपनी उत्तर प्रदेश के चुनिंदा शहरों में सीएनजी की आपूर्ति करती है। फिलहाल लखनऊ, आगरा, अयोध्या, सुल्तानपुर और उन्नाव में इसके सीएनजी स्टेशन संचालित हैं। ग्रीन गैस लिमिटेड गेल इंडिया लिमिटेड और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन का संयुक्त उपक्रम है। कंपनी की स्थापना 7 अक्टूबर 2005 को शहरों में प्राकृतिक गैस उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई थी।

हुंदै की बिक्री 17.7 प्रतिशत बढ़कर 82,299 इकाई पहुंची

नई दिल्ली। हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने अक्टूबर में अब तक की सर्वाधिक मासिक बिक्री दर्ज की है। कंपनी ने बीते माह घरेलू बाजार और निर्यात मिलाकर कुल 82,299 वाहनों की बिक्री की, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 17.7 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने रविवार को जारी बयान में बताया कि अक्टूबर में उसकी घरेलू बिक्री 16.7 प्रतिशत बढ़कर 62,799 इकाई रही। वहीं निर्यात में 21.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह बढ़कर 19,500 इकाई पर पहुंच गया।

इंडियन बैंक का ईवी चार्जिंग ढांचे के लिए 100 करोड़ का कर्ज देने का लक्ष्यः एमडी

नई दिल्ली। देश में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बढ़ती स्वीकार्यता के बीच इंडियन बैंक ने चालू वित्त वर्ष के दौरान इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग ढांचे के विकास के लिए 100 करोड़ रुपये का ऋण वितरित करने का लक्ष्य रखा है। बैंक ने 'इंड ग्रीन चार्ज' नाम से विशेष वित्तपोषण योजना शुरू की है। इसके तहत सार्वजनिक उपयोग, निजी इस्तेमाल और वाहनों के बेड़े के लिए चार्जिंग केंद्र स्थापित करने को कर्ज उपलब्ध कराया जाएगा। यह सुविधा स्वतंत्र और फ्रेंचाइजी, दोनों प्रकार के कारोबारी मॉडल के अंतर्गत मिलेगी। इंडियन बैंक के एक अ?धिकारी ने कहा कि योजना के तहत अधिकतम 10 करोड़ रुपये तक का ऋण दिया जाएगा। इसकी अधिकतम अवधि आठ वर्ष होगी।उन्होंने कहा कि बैंक ने चालू वित्त वर्ष के शेष पांच महीनों के लिए 100 करोड़ रुपये और अगले वित्त वर्ष के लिए 250 करोड़ रुपये के ऋण वितरण का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देना, रोजगार के नए अवसर पैदा करना और देश में हरित परिवहन व्यवस्था को मजबूत करना है।



केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने राजस्थान के जयपुर में भाजपा मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया।

तमिलनाडु में शराब की हर बोतल पर 10 रुपए अतिरिक्त शुल्क

चेन्नई। तमिलनाडु में शराब खरीदने वालों की जेब पर 1 नवंबर से अतिरिक्त बोझ बढ़ गया है। राज्य में अब इंडियन मेड फॉरेन लिकर (आईएमएफएल), बीयर और वाइन की प्रत्येक बोतल पर 10 रुपये अतिरिक्त देने होंगे। हालांकि, ग्राहकों को राहत देने के लिए खाली बोतल निर्धारित दुकानों पर लौटाने पर यह रकम वापस पाने का विकल्प भी दिया गया है। तमिलनाडु सरकार ने शराब की खुदरा बिक्री पर पर्यावरण और सामाजिक कल्याण शुल्क लागू किया है। इस व्यवस्था का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक कल्याण से जुड़ी योजनाओं के लिए धन जुटाना है। इसके साथ ही शराब की खाली बोतलों के उचित निपटान और पुन: उपयोग को बढ़ावा देना भी इसका मकसद है। तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन ने नई व्यवस्था लागू करने के लिए शराब आपूर्तिकर्ताओं और स्थानीय उत्पादकों को जरूरी निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत बोतलों पर नई कीमतों के अनुरूप क्यूआर कोड वाले मूल्य लेबल लगाने होंगे। शराब की दुकानों और लाइसेंस प्राप्त बिक्री केंद्रों पर भी नई व्यवस्था के अनुसार शुल्क लिया जाएगा। शराब की प्रत्येक बोतल पर 10 रुपये अतिरिक्त देने होंगे, निर्धारित दुकानों और बिक्री केंद्रों पर खाली बोतल लौटाने पर 10 रुपये वापस मिलेंगे, बोतल वापसी के लिए तय प्रक्रिया का पालन करना होगा, खाली बोतलों को सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर फेंकने से रोकने में मदद मिलेगी और बोतलों के पुन: उपयोग और उचित निपटान को बढ़ावा मिलेगा। नई व्यवस्था में शुल्क से जुड़ी वित्तीय प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए पांच क्षेत्रीय क्षेत्रों में अलग-अलग बैंक खाते बनाए गए हैं। साथ ही दुकानदारों को निर्धारित शुल्क के अलावा मनमानी वसूली नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम से होगी युवा वर्ष की शुरुआत : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

मप्र के स्थापना दिवस पर शौर्य स्मारक में सेना दिवस-2027 के आयोजनों का आगाज

भोपाल। मध्य प्रदेश के स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को भोपाल के शौर्य स्मारक में सेना दिवस-2027 के आयोजनों का औपचारिक आगाज हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और सुदर्शन चक्र कोर के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल अरविंद चौहान ने प्रदेश के सभी 55 जिलों की मिट्टी से संकल्प वृक्ष का रोपण किया। इस पहल के जरिए प्रदेश की एकता,अखंडता और भारतीय सेना के प्रति सम्मान का संदेश दिया गया। खास बात यह रही कि सभी जिलों की मिट्टी एनसीसी कैडेट्स ने अपने-अपने क्षेत्रों से एकत्रित कर कलशों में भोपाल पहुंचाई थी। अगले साल 15 जनवरी को भोपाल में 79वां सेना दिवस मनाया जाएगा। पहली बार राजधानी में आयोजित होने वाली सेना दिवस परेड में भारतीय सेना के शौर्य, सामरिक क्षमता और आधुनिक युद्ध कौशल का प्रदर्शन होगा। इसमें टैंकों की ताकत,कॉम्बैट ड्रिल्स,आधुनिक सैन्य तकनीक और युद्धक क्षमताओं की झलक देखने को मिलेगी।

राज्य सरकार हरसंभव सहयोग कर रही है : लेफ्टिनेंट जनरल चौहान



भोपाल। इस अवसर पर सुदर्शन चक्र कोर के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल अरविंद चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और सामरिक दृष्टि से देश का महत्वपूर्ण हिस्सा है। भोपाल में सेना दिवस परेड और उससे जुड़े आयोजनों को सफल बनाने के लिए राज्य सरकार और प्रशासन की ओर से हरसंभव सहयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी 55 जिलों से एनसीसी कैडेट्स द्वारा मिट्टी एकत्रित कर लाना और उससे संकल्प वृक्ष का रोपण करना इस आयोजन को विशेष महत्व देता है। कार्यक्रम में मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, विधायक भगवानदास सबनानी और महापौर मालती राय सहित अन्य जनप्रतिनिधि और सेना के अधिकारी मौजूद रहे। आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में सेना की ओर से एक लघु फिल्म के माध्यम से 15 जनवरी को होने वाले सेना दिवस समारोह की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। इसमें बताया गया कि भोपाल में सेना की आधुनिक युद्धक क्षमता और सैन्य तकनीक का भव्य प्रदर्शन होगा। आसमान में लड़ाकू विमानों की गर्जना से लेकर जमीन पर टैंकों की ताकत तक, सेना के विभिन्न आयाम देखने को मिलेंगे। परेड में सुदर्शन चक्र कोर के कॉम्बैट ड्रिल्स, भारतीय टैंकों की क्षमता, आधुनिक युद्ध कौशल और सैन्य तकनीक का प्रदर्शन किया जाएगा। आयोजन के जरिए आम नागरिकों, विशेषकर युवाओं को भारतीय सेना के अनुशासन, साहस और राष्ट्र के प्रति समर्पण को करीब से जानने का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने संकल्प वृक्ष के रोपण को प्रदेश की सामूहिक पहचान और एकजुटता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि सेना और एनसीसी ने मिलकर इस आयोजन के माध्यम से अनूठी पहल की है। प्रदेश के सभी 55 जिलों में गतिविधियां आयोजित कर वहां की मिट्टी एकत्रित की गई और उसे भोपाल लाकर एक ही पौधे में समाहित किया गया। यह मिट्टी प्रदेश की विविधता के बीच एकता और अखंडता का संदेश दे रही है। मुख्यमंत्री ने इस पहल के लिए सेना और एनसीसी कैडेट्स को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की अलग-अलग बोलियां, परंपराएं और सांस्कृतिक पहचान प्रदेश की समृद्ध विरासत हैं। अनेकता में एकता ही प्रदेश की सबसे बड़ी विशेषता है। संकल्प वृक्ष इसी भावना को प्रदर्शित करता है।

प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में मप्र विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है : खण्डेलवाल

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह को किया संबोधित



भोपाल। मध्य प्रदेश की पहचान उसके गौरवशाली इतिहास, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और जनजातीय परंपराओं से है। प्रदेश ने बीते वर्षों में सड़क, बिजली, सिंचाई, उद्योग और अधोसंरचना के क्षेत्र में प्रगति की है। अब बैतूल को औद्योगिक विकास, रोजगार, पर्यटन, शिक्षा और खेल सुविधाओं के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। जिले में 1000 एकड़ से अधिक का लैंड बैंक उपलब्ध कराने, आधुनिक ऑडिटोरियम बनाने और खेल सुविधाओं का विस्तार करने की योजना है। यह बात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने रविवार को बैतूल के प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के जिला स्तरीय समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कार्यक्रम में लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के हितग्राहियों को लाभ वितरित किए। इस दौरान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, लोकतंत्र सेनानियों और उनके परिजनों का सम्मान भी किया गया। खण्डेलवाल ने कहा कि बैतूल में औद्योगिक विकास के लिए भूमि की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती रही है। जिले का बड़ा भू-भाग वन क्षेत्र से जुड़ा होने के कारण उद्योगों के लिए जमीन उपलब्ध कराना आसान नहीं है। इस समस्या के समाधान के लिए अनुपयोगी और खाली भूमि के संबंध में अदला-बदली की संभावनाओं पर काम किया जा रहा है। प्रयास है कि आने वाले समय में बैतूल को 1000 एकड़ से अधिक का लैंड बैंक उपलब्ध कराया जाए। इससे नए उद्योगों की स्थापना का रास्ता खुलेगा और स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकेंगे। उन्होंने कहा कि बैतूल के युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है। जिले में क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस और स्विमिंग सहित विभिन्न खेलों के लिए आधुनिक सुविधाएं विकसित करने की तैयारी है, ताकि स्थानीय खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं के लिए बड़े शहरों पर निर्भर न रहना पड़े। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पहले बैतूल जिले के कई गांव बारिश के दौरान मुख्यालय से कट जाते थे। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क नेटवर्क का विस्तार हुआ और दूरस्थ इलाकों की कनेक्टिविटी बेहतर हुई है। बैतूल से भोपाल, नागपुर और अन्य प्रमुख शहरों तक आवागमन की सुविधाएं भी लगातार मजबूत हुई हैं। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में बैतूल-अमरावती मार्ग को समृद्धि महामार्ग से जोड़ने तथा अन्य फोरलेन परियोजनाओं के माध्यम से जिले की कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाने के प्रयास किए जाएंगे। उनके अनुसार, सड़क सुविधाओं का विस्तार औद्योगिक गतिविधियों, व्यापार और स्थानीय रोजगार के लिए भी महत्वपूर्ण होगा। खण्डेलवाल ने बैतूल की प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि खेड़ला किला, मुलताई का ताप्ती उद्गम, सतपुड़ा क्षेत्र और कुकरू जिले के प्रमुख पर्यटन केंद्र हैं।

चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के असर से चल रही ठंडी हवाओं से बढ़ी ठंड

पारा 6.6 डिग्री तक लुढ़का, रातें अब भी गर्म,4 दिन आंधी-बारिश का अलर्ट

भोपाल। नवम्बर माह शुरू होते ही सर्दी ने भी जोर पकड़ना शुरू कर दिया है। वहीं चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के असर से मध्य प्रदेश में मौसम के दो अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। बारिश और ठंडी हवाओं के कारण दिन के तापमान में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है, वहीं रात का तापमान अब भी सामान्य से ऊपर बना हुआ है। प्रदेश में अगले चार दिन तक आंधी, बारिश और गरज-चमक का दौर जारी रह सकता है। हालांकि,नवंबर के दूसरे सप्ताह से ठंड का असर बढ़ने के आसार हैं। भोपाल विभाग के मुताबिक,उत्तराखंड में हो रही बर्फबारी के कारण ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में ठंडी हवाएं पहुंच रही हैं। इसके चलते यहां अधिकतम तापमान में 6.2 से 6.6 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई है। अमरकंटक, रीवा, सतना, पचमढ़ी, करौंदी, उमरिया, ग्वालियर और दतिया में दिन का तापमान 25 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया। इसके उलट प्रदेश के कई संभागों में रात का तापमान सामान्य से ज्यादा बना हुआ है। इंदौर,चंबल, रीवा और सागर-जबलपुर संभाग में न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.3 डिग्री तक अधिक दर्ज किया गया। वहीं भोपाल, नर्मदापुरम, उज्जैन और ग्वालियर में यह अंतर 4.8 डिग्री तक पहुंच गया है। प्रदेश में बारिश और तापमान में उतार-चढ़ाव के बीच रविवार सुबह विदिशा में घना कोहरा छाया रहा। यहां दृश्यता घटकर महज 50 मीटर रह गई। सड़कों पर आगे का रास्ता साफ दिखाई नहीं देने के कारण वाहन चालकों को हेडलाइट जलाकर धीमी गति से चलना पड़ा। हाईवे और खुले रास्तों पर भी लोगों को विशेष सावधानी बरतनी पड़ी। प्रदेश में अगले चार दिन तक मौसम का यही मिजाज बना रह सकता है। दिन के तापमान में गिरावट बनी रहेगी, जबकि रातें अपेक्षाकृत गर्म रहेंगी। इस दौरान कई इलाकों में आंधी, बारिश और गरज-चमक की संभावना है। रविवार को सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, मैहर, उमरिया, शहडोल, अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला, बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा और पांढुर्णा में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। दूसरी ओर भोपाल,इंदौर,उज्जैन और ग्वालियर सहित कई जिलों में धूप खिलने का अनुमान है।

निगम आयुक्त श्री रामप्रकाश अहिरवार ने किया न्यू मार्केट का निरीक्षण दिये आवश्यक निर्देश



राष्ट्रीय गरिमा समाचार भोपाल। निगम आयुक्त श्री रामप्रकाश अहिरवार ने न्यू मार्केट के आंतरिक व बाह्य क्षेत्रों का निरीक्षण किया और दुकानों की सीमा निर्धारण हेतु की जा रही मार्किंग का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने और निर्धारित सीमा के अंदर ही दुकानों से व्यवसाय कराने, बाजार क्षेत्रों के समस्त मार्गों व कॉरीडोर आदि को अतिक्रमण मुक्त रखने, क्षतिग्रस्त टाईल्स के स्थान पर नये टाईल्स लगाने, फुटपाथों एवं अन्य क्षेत्रों से धूल-मिट्टी हटाकर न्यू मार्केट आंतरिक एवं बाह्य क्षेत्रों को व्यवस्थित करने, रात्रिकालीन साफ-सफाई व्यवस्था सहित समस्त क्षेत्र में बेहतर ढंग से साफ-सफाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्री अमन मिश्रा, उपायुक्त श्री चंचलेश गिरहारे सहित निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे। निगम आयुक्त श्री रामप्रकाश अहिरवार ने रविवार को न्यू मार्केट आंतरिक एवं बाह्य का निरीक्षण किया और दुकानों की सीमा निर्धारण हेतु यलो लाईन मार्किंग कार्य का अवलोकन किया और कार्य के संबंध में जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त श्री अहिरवार ने न्यू मार्केट की समस्त दुकानों के सामने सीमा निर्धारण हेतु मार्किंग सुनिश्चित करने और मार्किंग का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री अहिरवार ने न्यू मार्केट के समस्त दुकानदारों को निर्धारित सीमा के अंदर ही सामान रखकर व्यवसाय करने की समझाइश देने और निर्धारित सीमा में ही व्यवसाय सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री अहिरवार ने क्षतिग्रस्त टाईल्स को बदलकर नये टाईल्स लगाने, सम्पूर्ण न्यू मार्केट क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त रखने, सभी मार्गों एवं कॉरीडोर को नागरिकों के आवागमन की सुगमता हेतु क्लियर रखने, न्यू मार्केट के आंतरिक एवं बाह्य क्षेत्रों को व्यवस्थित रखने, फुटपाथ व अन्य स्थानों से धूल-मिट्टी साफ कराने और रात्रिकालीन व दिन में की जाने वाली साफ-सफाई व्यवस्था को और अधिक बेहतर ढंग से सुनिश्चित कराने, दुकानों पर डस्टबिन अनिवार्य रूप से रखवाने के

निगम आयुक्त के निर्देश पर निगम अमले ने चार्टेड बस के बुकिंग ऑफिस संचालक के विरूद्ध स्पॉट फाईन/जुर्माने की कार्यवाही



राष्ट्रीय गरिमा समाचार भोपाल। निगम आयुक्त श्री रामप्रकाश अहिरवार ने आई.एस.बी.टी परिसर का निरीक्षण किया और गैर संचालित बसों को हटवाने, समस्त परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों से अतिक्रमणों को हटाने, कॉरीडोर में दुकानदारों/बस ऑपरेटरों द्वारा रखे सामान को हटाकर कॉरीडोर क्लियर रखने तथा कॉरीडोर में सामान रखने वालों व गंदगी फैलाने वालों के विरूद्ध सख्ती से स्पॉट फाईन की कार्यवाही करने, उच्च स्तरीय साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा स्मार्ट सिटी द्वारा रखवाई साईकिलों को व्यवस्थित ढंग से रखने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री अहिरवार के निर्देश पर निगम के स्वास्थ्य विभाग के अमले ने आई.एस.बी.टी कॉरीडोर में सामान रखने वाले बस ऑपरेटरों, चार्टेड बस के बुकिंग ऑफिस संचालक के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए 05 हजार रुपये की राशि स्पॉट फाईन/जुर्माने के रूप में वसूल की। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्री अमन मिश्रा, उपायुक्त श्री भुवन गुप्ता व श्री चंचलेश गिरहारे सहित निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे। निगम आयुक्त श्री रामप्रकाश अहिरवार ने रविवार को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राज्यीय बस टर्मिनस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त श्री अहिरवार ने पूर्व में दिए गए निर्देशों के परिपालन में की गई कार्यवाही प्राप्त की और बस स्टैंड, कॉरीडोर व अन्य स्थानों का अवलोकन भी किया। निगम आयुक्त श्री अहिरवार ने आई.एस.बी.टी कॉरीडोर में बस संचालकों एवं अन्य दुकानदारों द्वारा रखे गए सामान को हटवाकर कॉरीडोर बिलकुल क्लियर रखने, बड़ी मात्रा में सामान रखकर आवागमन को अवरूद्ध करने वाले चार्टेड बस के संचालक के विरूद्ध स्पॉट फाईन/जुर्माने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए साथ ही कॉरीडोर में किसी भी प्रकार का सामान न रखने की समझाइश देने और समझाइश के पश्चात भी कॉरीडोर को अवरूद्ध करने व गंदगी फैलाने वालों के विरूद्ध सख्ती से स्पॉट फाईन की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री अहिरवार के निर्देश पर निगम के स्वास्थ्य विभाग के अमले ने तत्काल कार्यवाही करते हुए चार्टेड बस के बुकिंग ऑफिस संचालक से 05 हजार रुपये की राशि स्पॉट फाईन/जुर्माने के रूप में वसूल की और कॉरीडोर सामान भी हटवाया।

राज्यस्तरीय संयुक्त पुलिस परामर्शदात्री समिति की वार्षिक बैठक आज

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कल्याण, सेवा संबंधी सुविधाओं तथा कार्य परिस्थितियों में निरंतर सुधार के उद्देश्य से राज्यस्तरीय संयुक्त पुलिस परामर्शदात्री समिति एवं पुलिस कल्याण समिति की वार्षिक बैठक पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा की अध्यक्षता में 02 नवंबर को प्रात: 10 बजे भोपाल स्थित आर.सी.व्ही.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित की जाएगी। इस बैठक का उद्देश्य पुलिस बल के विभिन्न स्तरों पर कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच संवाद को प्रभावी बनाना तथा पुलिसकर्मियों की सेवा संबंधी आवश्यकताओं, कल्याणकारी सुविधाओं और व्यावहारिक समस्याओं पर संस्थागत स्तर पर विचार-विमर्श को प्रोत्साहित करना है। बैठक में पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विभिन्न पुलिस इकाइयों एवं वाहिनियों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। बैठक में पुलिस बल के विभिन्न स्तरों पर कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों से जुड़े सेवा संबंधी विषयों, उनकी आवश्यकताओं, समस्याओं तथा कल्याणकारी व्यवस्थाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया जाएगा। राज्यस्तरीय संयुक्त पुलिस परामर्शदात्री समिति एवं पुलिस कल्याण समिति पुलिस नेतृत्व और मैदानी स्तर पर कार्यरत पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों के बीच संवाद का महत्वपूर्ण मंच है।

आमला से पूर्व विधायक चेतराम मानेकर का इलाज के दौरान निधन

भोपाल। बैतूल जिले की आमला-सारनी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक और भाजपा के वरिष्ठ नेता चेतराम मानेकर का रविवार को भोपाल स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। उन्होंने सुबह 7.30 बजे अंतिम सांस ली। वे पिछले करीब दो माह से ब्रेन ट्यूमर से पीड़ित थे और एम्स में उनका उपचार चल रहा था। उनके निधन की खबर से बैतूल जिले के राजनीतिक,सामाजिक और व्यावसायिक क्षेत्रों में शोक व्याप्त है। चेतराम मानेकर आमला विधानसभा क्षेत्र से वर्ष 2008 और 2013 में लगातार दो बार भाजपा के टिकट पर विधायक निर्वाचित हुए थे। दोनों चुनावों में उन्होंने बड़े मतों के अंतर से जीत दर्ज की। विशेष रूप से 2013 के विधानसभा चुनाव में उनकी जीत का अंतर 39,602 मत रहा था। यह आमला विधानसभा क्षेत्र के चुनावी इतिहास की उल्लेखनीय जीतों में शामिल रही। वर्ष 2008 में परिसीमन के बाद आमला विधानसभा क्षेत्र का स्वरूप बदला और सारनी क्षेत्र भी इसमें शामिल हुआ। इसी चुनाव में भाजपा ने चेतराम मानेकर को प्रत्याशी बनाया था। उन्होंने 30,546 मतों के अंतर से जीत दर्ज कर पहली बार विधानसभा में प्रवेश किया। इसके बाद वर्ष 2013 के चुनाव में उन्होंने अपनी जीत का अंतर बढ़ाते हुए कांग्रेस प्रत्याशी को 39,602 मतों से पराजित किया। इस जीत के साथ क्षेत्र की राजनीति में उनकी मजबूत पहचान बनी। वर्ष 2008 से 2018 तक उनका विधायक के रूप में कार्यकाल रहा। हालांकि, 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने उनकी जगह डॉ. योगेश पंडाग्रे को प्रत्याशी बनाया था।

दर्शन करने मंदिर जा रही बुजुर्ग महिला के गले से डेढ़ लाख की चेन झपटी

भोपाल। राजधानी भोपाल के कोतवाली थाना क्षेत्र में रविवार सुबह मंदिर जा रही 62 वर्षीय महिला के गले से बाइक सवार दो बदमाश सोने की चेन झपटकर फरार हो गए। चेन की कीमत करीब डेढ़ लाख रुपए बताई गई है। वारदात जैन मंदिर रोड पर सिरोजिया अग्रवाल धर्मशाला के पास हुई। महिला पीरगेट स्थित माता मंदिर में दर्शन करने जा रही थीं। पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक,इतवारा स्थित जामुन वाली गली, पुराना पोस्ट ऑफिस के पास रहने वाली ओमवती गुप्ता (62) पत्नी स्वर्गीय द्वारिकाधीश गुप्ता रविवार सुबह पीरगेट स्थित माता मंदिर में दर्शन करने जा रही थीं। सुबह करीब 7 से 7.30 बजे के बीच वह जैन मंदिर रोड पर सिरोजिया अग्रवाल धर्मशाला के पास पहुंचीं। इसी दौरान बाइक सवार दो बदमाश वहां आए। पीछे बैठे बदमाश ने अचानक उनके गले पर झपट्टा मारकर सोने की चेन खींच ली। महिला संभल पातीं, इससे पहले ही दोनों आरोपी बाइक से जैन मंदिर की तरफ भाग निकले। अचानक हुई वारदात से घबराई महिला ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

भोपाल के कोहेफिजा में अवैध निर्माण को लेकर निगम को शिकायत

भोपाल। भोपाल के रहवासी इलाकों में व्यावसायिक गतिविधियों का मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है। रहवासियों के मुताबिक, कोर्ट ने नगर निगम को रहवासी इलाकों में व्यावसायिक गतिविधियों पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। इसके बावजूद शहर के कई इलाकों में निर्माण कार्य जारी हैं। इनमें कोहेफिजा भी शामिल है। यहां के रहवासियों ने नियमों के विपरीत बहुमंजिला इमारतों के निर्माण और व्यावसायिक गतिविधियों की शिकायत अधिकारियों से की है। साथ ही अवैध निर्माण तोड़ने की मांग की है। जानकारी के मुताबिक,कोहेफिजा पूरी तरह रहवासी कॉलोनी है, जिसे मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड और भोपाल विकास प्राधिकरण ने विकसित किया था। यहां भवन निर्माण के लिए मिनिमम ओपन स्पेस के नियम लागू हैं। इसके तहत भवन के सामने 20 फीट और दोनों ओर निर्धारित खुली जगह छोड़ना अनिवार्य है। भवन की अधिकतम मंजिलों की सीमा भी तय है। रहवासियों का आरोप है कि यहां फ्लोर एरिया रेशियो सहित भवन निर्माण के अन्य अनिवार्य नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। रहवासियों के मुताबिक, कोहेफिजा में एक-एक परिवार के रहने के लिए प्लॉट काटे गए थे,लेकिन अब इन प्लॉटों पर बहुमंजिला इमारतें बनाई जा रही हैं। इनमें 20 से 30 फ्लैट तक बनाए जा रहे हैं। रहवासियों का आरोप है कि पूरी तरह आवासीय कॉलोनी में दुकानें,स्कूल,अस्पताल,होटल और अब सर्विस अपार्टमेंट भी बिना जरूरी लाइसेंस के खोले जा रहे हैं।

स्थापना दिवस समारोह के शुभारंभ पर 71 बच्चों ने गाया वंदे मातरम:

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर लाल परेड ग्राउंड पर हुआ रंगारंग आयोजन

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कार्यक्रम में किसान को ट्रैक्टर,छात्रा को 1 लाख दिए



भोपाल। राजधानी भोपाल में आज मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस पर रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया,जिसका शुभारंभ मुख्यमंत्री मोहन यादव ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में दर्शक कार्यक्रम को देखने के लिए पहुंचे। मध्यप्रदेश का 71वां स्थापना दिवस रविवार को प्रदेशभर में मनाया गया। भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने दीप जलाकर राज्यस्तरीय समारोह का शुभारंभ किया। थोड़ी देर में बॉलीवुड सिंगर मोनाली ठाकुर मुंबई के कलाकारों के साथ परफॉर्म करेंगी। समारोह में क्रिज के प्रथम विजेता संदीप वर्मा को ट्रैक्टर और 7.26 लाख रुपए का चेक दिया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री खुद ट्रैक्टर में बैठकर उनके पास पहुंचे और उन्हें गिफ्ट दिया। सुहानी राजपूत को बुलेट मोटरसाइकिल मिली। छात्रा अक्षरा गोस्वामी को श्रीकृष्ण छात्रवृत्ति योजना के तहत एक लाख रुपए का चेक सौंपा गया। इससे पहले मंडला में मंत्री संपतिया उइके ने महिलाओं के साथ कबड्डी खेली। बुरहानपुर में सांसद, विधायक और कलेक्टर ने आदिवासी कलाकारों के साथ डांस किया,जबकि झाबुआ में लोकतंत्र सेनानी और शहीद की पत्नी का सम्मान किया गया। समारोह में क्रिज के प्रथम विजेता संदीप वर्मा को ट्रैक्टर और 7.26 लाख रुपए का चेक दिया गया। सुहानी राजपूत को बुलेट मोटरसाइकिल मिली। छात्रा अक्षरा गोस्वामी को श्रीकृष्ण छात्रवृत्ति योजना के तहत एक लाख रुपए का चेक सौंपा गया। किसान कल्याण स्वाभिमान योजना के तहत भोपाल के किसान संदीप वर्मा प्रथम विजेता रहे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उन्हें ट्रैक्टर भेंट किया। साथ ही 7 लाख 26 हजार रुपए का चेक भी सौंपा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में दीप जलाकर स्थापना दिवस समारोह की शुरुआत की। इस दौरान जमकर आतिशबाजी हुई। मंत्रोच्चार के बीच 71 बच्चों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम् गाया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दीप जलाकर भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में स्थापना दिवस समारोह की शुरुआत की। इस दौरान मंत्रोच्चार हुआ और 71 बच्चों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम् गाया। बॉलीवुड सिंगर मोनाली ठाकुर मुंबई के कलाकारों के साथ शानदार और एक से बढ़कर एक गानों की प्रस्तुति दी।

भोपाल में मेट्रो निर्माण से थमा ट्रैफिक,वाहन चालक हो रहे परेशान

भानपुर से प्रभात चौराहे तक लग रहा भीषण जाम,17 नवंबर तक रहेगा डायवर्सन

भोपाल। राजधानी भोपाल में मेट्रो निर्माण कार्य के चलते शहर की कई सड़कों पर यातायात व्यवस्था बिगड़ गई है। भानपुर ब्रिज से अयोध्या बायपास, मिनाल गेट नंबर-3 से जेके रोड होते हुए आईटीआई और गोविंदपुरा से प्रभात चौराहे तक भीषण जाम के हालात बने हुए हैं। लोग रोजाना घंटों जाम में फंसकर परेशान हो रहे हैं। मेट्रो निर्माण के चलते यातायात पुलिस ने कई मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्ट किया है, लेकिन वैकल्पिक रास्तों पर भी वाहनों का दबाव कम नहीं हो रहा है। हालात यह हैं कि डायवर्ट किए गए मार्गों पर भी लगातार जाम लग रहा है। वाहन चालकों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में काफी समय लग रहा है। मुख्य सड़कों पर जाम से बचने के लिए वाहन चालक गोविंदपुरा, जेके रोड और प्रभात चौराहे की ओर आने-जाने के लिए इंडस्ट्रियल एरिया के अंदरूनी रास्तों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे इन संकरी सड़कों पर भी वाहनों की संख्या बढ़ गई है और यहां भी जाम की स्थिति बनने लगी है। वाहन चालकों का कहना है कि जाम के दौरान यातायात पुलिस के जवान भी सड़कों पर नजर नहीं आते। ऐसे में ट्रैफिक को नियंत्रित करने में परेशानी होती है। मेट्रो निर्माण के बीच सुचारु यातायात के लिए प्रभावी ट्रैफिक प्रबंधन और प्रमुख चौराहों पर पुलिस की तैनाती जरूरी है। भोपाल मेट्रो रेल परियोजना के निर्माण कार्य के चलते आईटीआई तिराहे से पिपलानी पेट्रोल पंप तिराहे तक यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। यहां ट्रैफिक पुलिस ने 27 अक्टूबर से 17 नवंबर 2026 तक डायवर्सन प्लान लागू किया है। इस दौरान प्रभात चौराहा, गोविंदपुरा, अवधपुरी, जेके रोड और मिनाल की ओर आने-जाने वाले वाहन चालकों को निर्धारित वैकल्पिक मार्गों से गुजरना होगा। ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे निर्माण अवधि के दौरान निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करें और यातायात नियमों का पालन करें, ताकि आवागमन सुचारु बना रहे।